हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 17 अक्तूबर 2025 | अंक 8/ वर्ष 7 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ से परेशान हो ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस * इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल बॉनकाईटस * कॉरपुलमानेल (कार्डियल) पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणु दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

खुरसापार गांव में छाया मातम- हितज्योति आधार फाउंडेशन की टीम ने संभाला मोर्चा

ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की दर्दनाक मौत

सावनेर. महाराष्ट्र–मध्यप्रदेश सीमा पर स्थित वडचिचोली थाना क्षेत्र के हिवारा गांव के पास मंगलवार की रात एक भीषण सड़क हादसे में खुरसापार गांव के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब तीनों व्यक्ति पांढुर्ना से अपने गांव लौट रहे थे। रास्ते में एक अज्ञात ट्रक ने उनके ट्रैक्टर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान विवेक पंढरी कुबड़े (35), संदीप त्र्यंबक पटे (37) और अशोक कुंडलिक काले (65) के रूप में हुई है। तीनों किसी काम से पांढुर्ना गए थे और रात करीब 10:30 से 11:00 बजे के बीच ट्रैक्टर से खुरसापार लौट रहे थे। तभी हिवारा गांव के पास पीछे से आए एक अज्ञात ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अशोक काले और संदीप पटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विवेक कुबड़े गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही हितज्योति आधार फाउंडेशन के निदेशक हितेश बंसोड़ अपनी एम्बुलेंस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को सावनेर के अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच के बाद संदीप पटे और अशोक काले को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल विवेक कुबड़े को नागपुर के न्यूरॉन अस्पताल में रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। घटना की जांच वडचिचोली थाने के प्रभारी विक्रम सिंह बघेल द्वारा की जा रही है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में शामिल अज्ञात ट्रक का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। खुरसापार गांव में शोक की लहर, तीनों ग्रामीणों की असामयिक मृत्यु की खबर जैसे ही खुरसापार गांव पहुंची, वहां मातम पसर गया। पूरे गांव में शोक का माहौल है। परिजन और ग्रामीणों ने गमगीन वातावरण में तीनों का अंतिम संस्कार किया। गांव के लोगों ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन से दोषी वाहन चालक को जल्द पकड़ने की मांग की है।

विदर्भ मजबूत स्थिति में

अमन मोखड़े की शानदार पारी, नागालैंड पर भारी बढ़त

नागपुर.

सीओई ग्राउंड नंबर 2 पर खेले जा रहे चार दिवसीय रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए के मुकाबले में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक विदर्भ ने नागालैंड पर मज़बूत पकड़ बना ली है। विदर्भ ने अपनी पहली पारी में 463 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जबकि जवाब में नागालैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाए। विदर्भ के लिए अमन मोखड़े ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 183 रनों की शानदार पारी खेली, हालांकि वे दोहरे शतक से चूक गए। उनके साथ यश राठौड़ ने 71 रन और ध्रुव शौरी ने 64 रन जोड़े।

कप्तान अक्षय वाडकर ने 44 रन और हर्ष दुबे ने 37 रन का योगदान देकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। विदर्भ की पूरी टीम 130.2 ओवर में 463 रन पर ऑलआउट हुई। नागालैंड की ओर से जोनाथन ने सर्वाधिक 4 विकेट 98 रन देकर हासिल किए। जवाब में नागालैंड की शुरुआत खराब रही।

तेज़ गेंदबाज़ दर्शन नालकंडे ने शुरुआती सफलता दिलाई, जबकि पार्थ रेखाड़े और प्रफुल हिंगे ने एक-एक विकेट झटके। एक समय नागालैंड का स्कोर 41/3 था, लेकिन निश्चल (32 नाबाद) और चेतन बिष्ट (26 नाबाद) ने चौथे विकेट के लिए 40 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को और नुकसान से बचाया।

दिन के अंत में नागालैंड का स्कोर 81/3 रहा और वह अब भी विदर्भ से 382 रन पीछे है। तीसरे दिन नागालैंड पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है, जबकि विदर्भ की टीम पूरी तरह मजबूत स्थिति में नज़र आ रही है। विदर्भ पहली पारी: 463/10 (130.2 ओवर)- अमन मोखड़े 183, यश राठौड़ 71, ध्रुव शौरी 64, अक्षय वाडकर 44, हर्ष दुबे 37; जोनाथन 4/98. नागालैंड पहली पारी: 81/3 (41 ओवर. निश्चल 32*, चेतन बिष्ट 26*, दर्शन नालकंडे 1/20, पार्थ रेखाड़े 1/25, प्रफुल हिंगे 1/23 स्थिति: नागालैंड अब भी विदर्भ से 382 रन पीछे।

विकास परियोजनाओं को मिलेगी गति

पीएम ने आंध्र प्रदेश को दी 13,430 करोड़ रुपये की सौगात

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को श्रीशैलम के नांदयाल जिले में स्थित श्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वारला देवस्थानम में पूजा-अर्चना की। भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पंचमुरलु (गाय के दूध, दही, घी, शहद और चीनी से बना एक पवित्र मिश्रण) से रुद्राभिषेक किया। इस दौरान मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण भी उनके साथ थे। मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की एक अनूठी विशेषता यह है कि एक ही परिसर में एक ज्योतिर्लिंग और एक शक्तिपीठ है। यह पूरे देश में इस तरह का पहला मंदिर है। मंदिर दर्शन के बाद पीएम मोदी श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र गए, जो एक स्मारक परिसर है। इसमें एक ध्यान कक्ष भी है। इसके चारों कोनों पर चार प्रतिष्ठित किलों, प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी के मॉडल स्थापित हैं। बीच में महान राजा छत्रपति शिवाजी की गहन ध्यान मुद्रा में एक प्रतिमा स्थापित है। श्री शिवाजी स्मारक समिति द्वारा संचालित इस ध्यान कक्ष की स्थापना 1677 में छत्रपति शिवाजी की पवित्र तीर्थस्थल की ऐतिहासिक यात्रा की स्मृति में की गई थी। इसके बाद प्रधानमंत्री कुरनूल पहुचे और वहां बिजली, रक्षा, रेलवे और पेट्रोलियम जैसे क्षेत्रों से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री 'सुपर जीएसटी- सुपर सेविंग्स' नामक एक जनसभा को भी संबोधित किया। इसमें लोगों को नई पीढ़ी के वस्तु एवं सेवा -सुधारों के लाभों के बारे में बताया। इससे पहले कुरनूल एयरपोर्ट पर राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री नायडू और अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान आंध्र प्रदेश में 13,430 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कुरनूल में आयोजित रैली में कहा कि आंध्र प्रदेश आत्मसम्मान और संस्कृति की भूमि है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पीएम मोदी ने कुरनूल-3 पूलिंग स्टेशन पर ट्रांसमिशन सिस्टम स्ट्रेंथनिंग परियोजना की आधारशिला रखी। इसकी लागत लगभग 2,880 करोड़ रुपये है।

पीएम मोदी ने कुरनूल के ओरवकल औद्योगिक क्षेत्र और कडप्पा के कोप्परथी इंडस्ट्रियल एरिया का शिलान्यास किया। इन पर कुल निवेश 4,920 करोड़ रुपये से अधिक होगा। इनसे लगभग 21,000 करोड़ रुपये के निवेश और एक लाख नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। इससे राज्य के रायलसीमा क्षेत्र में औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने सब्बावरम से शीलानगर तक छह लेन के ग्रीनफील्ड हाईवे की भी आधारशिला रखी। इसकी लागत 960 करोड़ रुपये से अधिक है। यह परियोजना विशाखापत्तनम बंदरगाह शहर में ट्रैफिक जाम कम करने और व्यापार एवं रोजगार को बढ़ावा देने में सहायक होगी। इसके अलावा, उन्होंने पिलेरु-कलुर सड़क खंड के चार लेन विस्तार, कडप्पा-नेल्लोर सीमा से सी.एस. पुरम तक चौड़ीकरण और गुडिवाडा-नुजेला रेलवे स्टेशनों के बीच चार लेन के रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन किया।

बस हादसे के बाद मॉडिफाइड बसों पर कार्रवाई, 150 बसें जब्त

झुंझुनूं.

जैसलमेर में हाल ही में हुई स्लीपर बस आगजनी की भयावह घटना के बाद परिवहन विभाग अब पूरे प्रदेश में सख्ती बरतने लगा है। हादसे के बाद सरकार ने स्लीपर बसों की सुरक्षा जांच का विशेष अभियान शुरू किया है, जिसके तहत झुंझुनूं जिले में गुरुवार को परिवहन विभाग की टीम ने झुंझुनूं-सीकर रोड पर सघन चेकिंग अभियान चलाया।

जिला परिवहन अधिकारी मोनू सिंह मीणा के निर्देशन में परिवहन निरीक्षक रमेश यादव और रोहिताश भागासरा के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान तीन स्लीपर बसों को जब्त किया गया। साथ ही पांच ओवरलोड वाहनों का चालान काटा गया। इन कार्रवाइयों से विभाग को करीब पांच लाख रुपए का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। जांच टीम ने बताया कि कई स्लीपर बसें सुरक्षा मानकों की गंभीर अवहेलना कर रही थीं। कुछ बसों में आपातकालीन निकास के स्थान पर अतिरिक्त सीटें लगा दी गई थीं, जिससे हादसे की स्थिति में यात्रियों के बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह बंद था. परिवहन विभाग की टीम ने मौके पर चार बसों में ऐसी सीटों को हटवाया और स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी बस संचालक आपातकालीन निकास को पूरी तरह कार्यशील रखें।

साथ ही बसों में फायर सेफ्टी उपकरण अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। परिवहन निरीक्षक रमेश यादव ने बताया कि चेकिंग के दौरान दो बसों का टैक्स बकाया था और एक बस को इलीगल मॉडिफिकेशन (गैरकानूनी बदलाव) के कारण जब्त किया गया। "कई बसों में एमरजेंसी एग्जिट बंद मिले। हमने मौके पर इन्हें खोलकर जांच की और संचालकों को निर्देश दिए कि वे शीशे बदलवाएं और सीटें हटवाएं। जिन बसों में पीछे लगेज कम्पार्टमेंट बढ़ाया गया है, उन्हें भी नोटिस जारी किया गया है। इंस्पेक्टर रमेश यादव ने बताया कि जिन बस संचालकों की गाड़ियां जब्त या चालान की गई हैं, उन्हें 10 दिन का समय दिया गया है कि वे अपने वाहनों को सभी सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाकर दोबारा परिवहन कार्यालय में पेश करें। उन्होंने कहा "हमारा उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बसों में फायर एक्सटिंग्विशर, एमरजेंसी एग्जिट, और अन्य उपकरणों का होना अनिवार्य है। आगे से परमिशन केवल उन्हीं बसों को दी जाएगी जो सभी सुरक्षा नियमों का पालन करेंगी।" परिवहन विभाग ने साफ कहा है कि किसी भी बस में बिना अनुमति मॉडिफिकेशन या स्ट्रक्चरल बदलाव किया गया तो वाहन तुरंत जब्त कर लिया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि जिन बसों में यात्री सीटें आपातकालीन गेट के सामने लगाई गई हैं, उन्हें हटाया जाएगा। वहीं, जिन बसों में रजिस्ट्रेशन के बाद अतिरिक्त केबिन, लगेज स्पेस या ऊपरी डेक बनाया गया है, उन्हें इलीगल अल्टरड व्हीकल मानते हुए जब्त किया जाएगा। जिला परिवहन अधिकारी मोनू सिंह मीणा ने कहा कि जैसलमेर में हुई दर्दनाक घटना के बाद राज्य सरकार ने सभी जिलों को बसों की सुरक्षा जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि यात्री सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा- जिन बसों में फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं है या एमरजेंसी एग्जिट अवरुद्ध है, उन्हें सड़क पर नहीं चलने दिया जाएगा। हमारा प्रयास है कि भविष्य में ऐसी कोई घटना दोबारा न हो।

भूपेंद्र पटेल को छोड़ सभी मंत्रियों ने कैबिनेट से इस्तीफा दिया

गांधीनगर. गुजरात सरकार में व्यापक राजनीतिक बदलाव के तहत, शुक्रवार को होने वाले बड़े कैबिनेट फेरबदल से पहले सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मौजूदा कैबिनेट के एकमात्र सदस्य हैं, जो पद पर बने रहेंगे। यह फैसला मुख्यमंत्री आवास पर हुई एक बैठक में लिया गया, जहां केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशों से राज्य सरकार को अवगत कराया गया। बैठक के बाद, सभी 16 मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को अपने इस्तीफे सौंप दिए, जो आज रात राज्यपाल आचार्य देवव्रत को सौंपेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में शुक्रवार सुबह 11.30 बजे गांधीनगर के महात्मा मंदिर में नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई जाएगी। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि गुजरात बीजेपी अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने मंत्रियों को राज्य मंत्रिमंडल के पूर्ण पुनर्गठन के लिए

170 नक्सलियों ने किया सरेंडर

> नक्सलवाद के खिलाफ ऐतिहासिक दिन: शाह

नई दिल्ली. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज एक्स पर एक महत्वपूर्ण पोस्ट साझा कर छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ अभूतपूर्व सफलता की घोषणा की. उन्होंने राज्य के तीन संवेदनशील क्षेत्रों अबूझमाड़, उत्तरी बस्तर और दक्षिणी बस्तर में नक्सली प्रभाव के लगभग समाप्त होने पर प्रसन्नता जताई. शाह ने कहा कि ये क्षेत्र, जो कभी नक्सली आतंकवादियों के किले थे, आज नक्सल मुक्त घोषित हो चुके हैं. केवल दक्षिणी बस्तर में कुछ अवशेष बाकी हैं, जिन्हें सुरक्षा बल शीघ्र ही समाप्त कर देंगे. पोस्ट में शाह ने जनवरी 2024 से छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद के आंकड़े साझा किए. उन्होंने बताया कि इस अवधि में 2100 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 477 नक्सलियों का सफाया किया गया. ये आंकड़े 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं. शाह ने इसे नक्सलवाद विरोधी लड़ाई में ऐतिहासिक दिन करार दिया. विशेष रूप से, आज छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए, जबकि कल 27 ने आत्मसमर्पण किया. महाराष्ट्र में भी कल 61 नक्सली मुख्यधारा में लौट आए. पिछले दो दिनों में कुल 258 युद्ध-प्रशिक्षित वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा त्यागी. शाह ने इनके संविधान में विश्वास बहाल करने के फैसले की सराहना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के अथक प्रयासों का श्रेय दिया. उन्होंने कहा कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है. शाह ने कहा, उनकी नीति स्पष्ट है. आत्मसमर्पण करने वालों का स्वागत, लेकिन हिंसा जारी रखने वालों को सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा. उन्होंने बाकी नक्सलियों से अपील की कि वे हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हों.

CMYK

बॉडी शेमिंग पर बोलीं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं. जब भूमि पेडनेकर ने साल 2015 में फिल्म दम लगा के हईशा से अपने करियर की शुरुआत की, तो उन्होंने इंडस्ट्री के सौंदर्य मानदंडों से हटकर एक ऐसा किरदार निभाया, जिसे करने से पहले कोई भी एक्ट्रेस 10 बार सोचती. लगभग एक दशक बाद, भूमि फिजिकली और मेंटली दोनों रूप से बदल गई हैं, लेकिन वह मानती हैं कि शरीर की छवि को लेकर होने वाली लड़ाइयां पूरी तरह से कभी खत्म नहीं होती हैं.भूमि पेडनेकर ने कहा कि खुद से प्यार करने में समय और धैर्य लगता है. जब भूमि से पूछा गया कि क्या उन्होंने बॉडी इमेज की समस्याओं पर काबू पा लिया है, तो उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह कभी ठीक नहीं होता. ऐसा इसलिए है क्योंकि हम ऐसे माहौल में पले-बढ़े हैं जहा हमें तरह-तरह की टिप्पणियां सुननी पड़ती थीं. लेकिन आपको खुद से प्यार करना सीखना होगा, और यह एक प्रक्रिया है.

भूमि ने बताया कि उनकी फिटनेस जर्नी जितनी शारीरिक मजबूती से जुड़ी है, उतनी ही मानसिक स्पष्टता से भी जुड़ी है. उन्होंने कहा, इसमें मुझे बहुत समय लगा है, और आज भी ऐसे दिन आते हैं जब मैं किसी बात को लेकर दुखी हो जाती हूं. लेकिन बात यह है कि मेरी एक डेली रूटीन है जो मुझे कंट्रोल रखता है. मेरे लिए, शारीरिक स्वास्थ्य का मतलब मानसिक स्वास्थ्य भी है. यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप बाहरी रूप से कैसे दिखते हैं. एक्सरसाइज कैसे उन्हें बैलेंस पाने में मदद करता है, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, "हर बार जब मैं वर्कआउट रूटीन में होती हूं, तो मैं खुद से कहती हूं कि मैं यह अपने शरीर के लिए कर रही हूं. मैं लंबी उम्र जीना चाहती हूं. इससे मुझे मानसिक स्पष्टता मिलती है. हर बार जब मैं दौड़ती या टहलती हूं. यही एकमात्र तरीका है जिससे आप सही मायने में अपना ख्याल रख सकते हैं.

अबू धाबी की ब्रांड एंबेसडर बनीं दीपिका

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को अबू धाबी के डिपार्टमेंट ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म की डेस्टिनेशन ब्रांड 'एक्सपीरियंस अबू धाबी' का नया रीजनल ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। खास बात यह है कि दीपिका इस अभियान में अपने पति और बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह के साथ नजर आएंगी। रणवीर सिंह पहले से ही साल 2023 से इस ब्रांड के साथ जुड़े हुए हैं। अब दीपिका के शामिल होने से यह जोड़ी पहला बॉलीवुड पावर कपल बन गया है, जो अबू धाबी को एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रमोट करेगा। इस ग्लोबल कैंपेन के तहत, दीपिका और रणवीर अबू धाबी की संस्कृति, एडवेंचर, बीच लाइफ, और फैमिली-फ्रेंडली अनुभवों को दर्शकों के सामने लाएंगे।

ब्रांड के मुताबिक, ये अभियान भारतीय दर्शकों को अबू धाबी से व्यक्तिगत और भावनात्मक रूप से जोड़ने का काम करेगा।

अबू धाबी फैमिली के लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहा वो सब कुछ है जो आप चाहते हैं – संस्कृति, एडवेंचर, बीचेस और एंटरटेनमेंट। अब इस अभियान में मेरी पत्नी दीपिका का साथ होना इसे और भी खास बनाता है। यात्रा तब और भी खास होती है जब वो अपनों के साथ की जाए। मैं अबू धाबी की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और यहा के मेहमाननवाज़ लोगों को करीब से जानने और अनुभव करने को लेकर बेहद उत्साहित हू।

आगामी अभियानों में दीपिका दिवाली जैसे भारतीय त्योहारों, मौसमी ऑफर्स, और अबू धाबी के विविध अनुभवों को प्रमोट करेंगी। ब्रांड फिल्म्स और रियल कहानियों के ज़रिए वे दर्शकों को इस शहर को एक नए नजरिए से देखने के लिए आमंत्रित करेंगी। 'एक्सपीरियंस अबू धाबी' अब भारतीय दर्शकों को दीपिका और रणवीर की नजरों से यह बताने जा रहा है कि अबू धाबी केवल एक डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि यादगार अनुभवों की जगह है।

सनी देओल को झटका 'जाट 2' में बड़ा बदलाव

सनी देओल का इस वक्त शेड्यूल पूरी तरह से फुल है. वो फिलहाल अमृतसर में हैं और ऐसी चर्चा है कि 'लाहौर 1947' का काम कर रहे हैं. कुछ दिनों पहले खुद सेट से एक वीडियो भी शेयर किया था. हालांकि सनी पाजी के खाते में पहले से ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं. जिसमें 'बॉर्डर 2', 'जाट 2' 'सूर्या', 'रामायण' और एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ एक फिल्म साइन की है. साल 2026 उनके लिए बहुत बड़ा साबित हो सकता है. क्योंकि एक्टर की कई बड़ी फिल्में अगले साल रिलीज होने वाली हैं. इस साल अब तक सिर्फ एक ही पिक्चर में नजर आए हैं, जिसका नाम है जाट. फिल्म को प्यार बहुत मिला, पर बॉक्स ऑफिस कमाई में कहीं पीछे छूट गई. अब कहा जा रहा है कि 'जाट 2' से यह मेन खिलाड़ी ही बाहर हो गया है.

सनी देओल इस साल आई फिल्म जाट में फुल एक्शन मोड में दिखे थे. उनका नया अवतार बेहद धमाकेदार था. जिसके कुछ वक्त बाद ही सनी देओल ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए जाट 2 का ऐलान किया. दरअसल फिल्म का सीक्वल आएगा, यह हिंट क्लाइमैक्स में ही मिल गया था. अब नई जानकारी सामने आ गई है, जिसने सनी देओल के फैन्स को कुछ परेशान कर दिया होगा.

आयुष्मान-रश्मिका के रोमांस पर सेंसर की कैंची

लोका चैप्टर 1 के बाद अब थामा फिल्म दस्तक देने जा रही है. दोनों की तुलना अभी से होनी शुरू हो गई है. खुद आयुष्मान खुराना ने भी इसपर रिएक्ट किया है. इस फिल्म में आयुष्मान की जोड़ी पहली बार रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएगी. अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट आया है. थामा को सेंसर बोर्ड से पास कर दिया गया है और इसमें ज्यादा बड़े बदलाव नहीं किए गए हैं. हां, इसमें आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना के किसिंग सीन पर सेंसर बोर्ड ने अपनी कैंची चलाई है. फिल्म में कुल 5 बदलाव किए गए हैं.

थामा फिल्म को सेंसर बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन से सर्टिफिकेट दिया गया है. इसके अलावा फिल्म में 5 बड़े बदलाव किए गए हैं. इसमें सबसे पहला बदलाव फिल्म से एलेग्जेंडर शब्द को निकाल दिया गया है और उसकी जगह सिकंदर शब्द का इस्तेमाल किया गया है. इसके अलावा फिल्म में अश्वस्थामा शब्द को म्यूट कर दिया गया है. वहीं फिल्म में दूसरा बदलाव रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना के किसिंग सीन को लेकर है. फिल्म से दोनों के किसिंग सीन की टाइम ड्यूरेशन को 30 पर्सेंट तक के लिए कम कर दिया गया है.

तीसरे बदलाव की बात करें तो फिल्म के बीच में एंटी स्मोकिंग स्टेटिक मैसेज को सुपरइंपोज किया गया है. चौथे बदलाव में एक सीन के दौरान खून चूसने की आवाज को धीमा किया गया है. इसके अलावा पांचवे बदलाव की बात करें तो फिल्म में 'आजादी दूंगा' शब्द को 'अय्याशी करता हूं' से रिप्लेस कर दिया गया है. ये 5 बदलाव आयुष्मान खुराना की इस अपकमिंग फिल्म में किए गए हैं.फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन मैडॉक फिल्म के बैनर तले आदित्य सरपोतदार ने किया है. इस फिल्म में आयुष्मान और रश्मिका के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी, फैजल मलिक, सत्यराज और परेश रावल लीड रोल में हैं. वहीं फिल्म में नोरा फतेही और वरुण धवन की स्पेशल अपीयरेंस भी है. ये फिल्म 21 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज कर दी जाएगी.

बाथरूम में चंकी पांडे की चमकी थी किस्मत

चंकी पांडे इन दिनों काफी चर्चा का हिस्सा बने हुए हैं. दरअसल हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि उन्हें उनकी पहली फिल्म आखिर कैसे मिली. पता चला कि चंकी पांडे का बॉलीवुड सफर किसी ऑडिशन रूम या फिल्म ऑफिस से शुरू नहीं हुआ था. इसकी शुरुआत एक बाथरूम से हुई थी. एक्टर ने अपनी पहली फिल्म मिलने के पीछे की अनोखी कहानी बताई, जिसकी वजह थी निर्माता पहलाज निहलानी से एक मुलाकात. यह मज़ेदार वाकया काजोल और ट्विंकल खन्ना द्वारा होस्ट किए गए शो टू मच में एक चैट के दौरान सामने आया, जहां चंकी पांडे अपने पुराने दोस्त गोविंदा के साथ नज़र आए. उस यादगार मुलाक़ात से पहले, चंकी ने बताया कि वह अपनी पहली फिल्म पाने के लिए सालों से कोशिश कर रहे थे. उन्होंने बताया, मैं एक्टर बनना चाहता था, लेकिन मेरे परिवार में कोई एक्टर नहीं था. हां, मेरे मामा कैरेक्टर रोल्स में रुचि रखते थे. लेकिन मुझे अपनी पहली फ़िल्म के लिए 4-5 साल तक संघर्ष करना पड़ा. लेकिन अगर मैं फिल्मी दुनिया में आ पाया हूं, तो इसकी वजह गोविंदा ही हैं. गोविंदा ने तुरंत हंसते हुए कहते हैं, मैंने फिल्म छोड़ दी, इसलिए उसे मिल गई!चंकी ने आगे बताया कि कैसे उनके फिल्मी करियर की शुरुआत एक वॉशरूम से हुई. उन्होंने कहा, मैं संयोग से पहलाज निहलानी से बाथरूम में टकरा गया. मेरा करियर वहीं से शुरू हुआ! पहलाज ने उनके साथ 'इल्ज़ाम' की, जो सुपरहिट रही. लेकिन जब मैं उनसे बाथरूम में मिला, तो मैं उन्हें नहीं जानता था. उस जमाने में सोशल मीडिया नहीं था. लोग नहीं जानते थे कि कौन कैसा दिखता है. तो हम दोनों बाथरूम में थे.

रणवीर का 'धुरंधर' का ट्रेलर कब आएगा?

रणवीर सिंह लंबे वक्त से धांसू वापसी की तैयारी में हैं. यूं तो उनकी पिछली फिल्मों ने ठीक-ठाक बिजनेस किया है. पर जैसे फैन्स उन्हें देखना चाहते हैं, वो 'धुरंधर' से पूरा हो सकता है. क्योंकि जब फिल्म का पहला लुक सामने आया था, उस वक्त भी एक्टर को काफी प्यार मिला था.वजह थी उनका उसी तरह दिखना, जैसे खिलजी बनकर नजर आए थे. खैर, 5 दिसंबर को आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' आने वाली है. जिसे लेकर कई दिनों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि दिवाली पर मेकर्स कोई सॉन्ग रिलीज करने वाले हैं. लेकिन वो सॉन्ग दिवाली से पहले ही आ गया है. पर सबसे पहले जान लीजिए कि फिल्म का ट्रेलर कब आने वाला है?इस फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा भी कई बड़े चेहरे नजर आने वाले हैं. जिसमें- संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भी शामिल हैं. फर्स्ट लुक के हिसाब से सभी एकदम विलेन वाले अंदाज में हैं, जो फिल्म को अलग लेवल पर ले जाएगा. क्योंकि हर एक्टर का अपना एक अलग फैन बेस है. इसी बीच ट्रेलर को लेकर क्या जानकारी मिल गई है? रणवीर सिंह की 'धुरंधर' को लेकर तगड़ा माहौल बना हुआ है. फिल्म का ट्रेलर दिवाली पर नहीं, बल्कि 12 नवंबर को रिलीज किया जाएगा. यानी ट्रेलर आने में महीने से भी कम वक्त बचा है. हालांकि, उम्मीद थी कि उससे पहले ही एक गाना लाया जाएगा, जो कि अब पूरा हो गया है. फिल्म का पहला गाना रिलीज हो गया है. यह इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. 'उरी' जैसी शानदार फिल्म से धमाल मचा चुके आदित्य धर के इस प्रोजेक्ट से सबको काफी उम्मीदे हैं. 5 दिसंबर को फिल्म को रिलीज कर दिया जाएगा, ऐसे में 12 नवंबर को ट्रेलर लाने के लिए एकदम सही वक्त चुना है. दरअसल फिल्म की शूटिंग काफी पहले ही पूरी हो गई है. आखिर में अक्षय खन्ना का एक सीक्वेंस रह गया था, जिसे कंप्लीट किया जाना था. अब ट्रेलर का इंतजार किया जा रहा है.

फ्लॉप के बाद भी शाहिद का जलवा

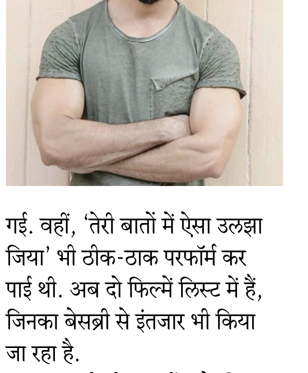

शाहिद कपूर ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. करीना कपूर के साथ फिल्म तो आज भी फैन्स के दिल के सबसे करीब है. अब भी एक्टर लगातार काम कर रहे हैं, फिलहाल 'कॉकटेल 2' को लेकर बिजी हैं. जिसका एक शेड्यूल कुछ दिनों पहले ही खत्म हुआ था. एक्टर के साथ पिक्चर में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना भी हैं. हालांकि, उससे पहले विशाल भारद्वाज की रोमियो का काम खत्म किया, जिसे इसी साल दिसंबर में रिलीज करना था. पर वो अगले साल के लिए शेड्यूल कर दी गई है. 'कॉकटेल 2' के बाद वो 'फर्जी 2' के काम पर बढ़ेंगे. लेकिन उससे पहले ही एक्टर को तगड़ा फायदा हो गया है. शाहिद कपूर इस सीरीज के पार्ट 2 के लिए काफी ज्यादा फीस ले रहे हैं. जिसका हाल ही में खुलासा हुआ.शाहिद कपूर कुछ खास धमाल नहीं मचा पाए हैं. एक्टर की पिछली फिल्म 'देवा' थी, जो बुरी तरह से पिट गई. वहीं, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' भी ठीक-ठाक परफॉर्म कर पाई थी. अब दो फिल्में लिस्ट में हैं, जिनका बेसब्री से इंतजार भी किया जा रहा है.

पर इसी बीच फर्जी 2 के लिए कितनी रकम ली है? इस वक्त शाहिद कपूर 'कॉकटेल 2' के लिए दिनेश विजन के साथ कोलैबोरेट कर रहे हैं. पिक्चर का काम दिसंबर तक कंप्लीट कर लिया जाएगा. दरअसल प्रोड्यूसर दिनेश विजन अगले साल फिल्म को रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं.

'बिग बॉस' में गूंजा अनुष्का-विराट का नाम

सलमान खान का पॉपुलर रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' इस वक्त सुर्खियों में है. वजह है घरवालों की लड़ाई, राशन पर ड्रामा, नॉमिनेशन टास्क के अलावा ऐसे बयान, जिसपर खूब हंगामा हुआ. यूं तो इस सीजन का आधा वक्त बीत गया है, लेकिन गेम में असली मजा दूसरी वाइल्ड कार्ड एंट्री के बाद आया. जब भारतीय क्रिकेटर की बहन मालती चाहर की घर में एंट्री हुई. पहले ही हफ्ते से पूरे घरवाले उनके खिलाफ हैं. घर में हर सदस्य से भिड़ चुकी हैं. इस हफ्ते राशन टास्क में भी उनकी गलती के चलते घरवालों का आधा राशन चला गया. जिसे लेकर पहले माफी मांगी, फिर हर किसी से खूब बदतमीजी की. लेकिन इसी बीच अनुष्का शर्मा और विराट कोहली का नाम कहां से आया, जिससे घर वालों ने हंगामा कर दिया.

दरअसल राशन टास्क में घरवालों को एक टेडी बियर उठाकर घूमना था. जिसे कहीं भी टच किया, तो राशन कम हो जाएगा. यूं तो पहले ही मालती चाहर ने बिग बॉस में कह दिया था कि वो चाहती हैं घर का आधा राशन हो जाए. पर बाद में नेहल के साथ लड़ाई में उन्होंने टेडी बियर की फेंक दिया. पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. जिसके बाद से ही मालती चाहर को जमकर ट्रोल किया जा रहा है. साथ ही दीपक चाहर पर भी सवाल उठाए गए हैं. 'बिग बॉस 19' में हुए नए राशन टास्क में घर वालों को उनकी गलती की सजा मिली. जिसके चलते काफी राशन गंवाना पड़ा और उसमें चिकन भी शामिल था. जिसके बाद घरवाले काफी गुस्सा हो गए. लेकिन अपनी बात बोलकर मालती चाहर ने गार्डन एरिया छोड़ दिया और चली गई. फिर वापस भागकर आई और कहा कि- विराट कोहली भी वेजिटेरियन हैं और अनुष्का शर्मा भी वेजिटेरियन हैं. वो लोग सरवाइव कर रहे हैं, तो तुम लोग भी कर सकते हो. जिसके बाद गार्डन एरिया में बैठे सभी घरवालों ने हंगामा कर दिया. अब मृदुल तिवारी का एक वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें वो कहते हैं- विराट कोहली खाते नहीं हैं तो हम भी नहीं खाएंगे. दूसरे कंटेस्टेंट ने कहा कि वो अपनी मर्जी से वेजिटेरियन हैं. इस दौरान अशनूर ने भी मालती को समझाया कि आपको क्या कहने की जरूरत थी कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा वेजिटेरियन हैं? वो कहती हैं कि लोग ट्रिगर हैं और आप उन्हें और कर रही हो?

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

MSBVE / MSBTE महाराष्ट्र शासन मान्य
AYUSHMAN COLLEGE & HOSPITAL
KAMPTEE, NAGPUR (MS.)
आयुष्मान मेडिकल पॅरामेडिकल कॉलेज
सईद नगर, बालाजी मंदिर के सामने, कलमना रोड, रनाला, कामठी
महाराष्ट्र हमारे कोर्स
BSc MLT, BVOC MLT, PGDMLT / ADMLT (MSBTE) ADXR (MSBTE), DMLT, DDT, DNYS, DAT, GNMA, CCOT, Health Sanitary Inspector, Radiology Technician
इंटर्नशिप आपको सरकारी हॉस्पिटल मे मिलेगी
ADMISSION OPEN 2025-26
8651512020, 8651513030

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 1 ऑगस्ट अयोध्या काशी
• १४ ऑगस्ट आग्रा मथुरा वृंदावन
• ७ सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• २७ ऑक्टोबर केरळ कन्याकुमारी
• २८ ऑक्टोबर गुजरात राजस्थान
• १६ नोव्हेंबर आणि १० डिसेंबर अंदमान
• ३ जानेवारी गंगासागर नेपाळ
संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

अल्का लाडे प्रस्तुत "ज़िंदगी का सफर"
Organizar संकल्प बहुद्देशीय संस्था
सुहाना म्यूज़िकल ग्रुप
(लाइव ऑर्केस्ट्रा पर सुमधुर गीतों की प्रस्तुति)
Alka Lade बॉलिवुड गायिका
Contact For Participate 9373108897, 7798900066 9579254999
Per Song 1500
दि. 10 आगस्ट 2025 दोप. 3 बजे से रात 9.30 बजे तक
अमृत भवन, झांसी रानी चौक, सिताबर्डी, नागपुर

धनवटे ऑनलाइन सर्विसेस
7/12 डिजिटल, ई-अभिलेख, 8 अ डिजिटल, ई- मोजनी, प्रॉपर्टी कार्ड, अधिकार क्षेत्र, झोन सर्टिफिकेट, वर्ग 2 ते वर्ग 1 अर्ज, अखिव पत्रिका, 7/12 फेरफार साठी अर्ज, फेरफार अर्ज,
राजेश धनवटे
9561498551
उपजिला रुग्णालय रोड, हैदरी चौक कामठी

VATSALYA Preschool
"Little Minds, Big Adventures"
Nurturing Young Minds with Heart and Purpose
Pre-Nursery, Nursery, KG1, KG2
Enquire now
More Information 9834172396
Address : Near Ashapurak Ganesh Mandir Ground, Professor Colony, Ranala, Kamptee

NISHCHAY TRAVELS
All types of AC & Non-AC Vehicles Available
Buses 30, 40 & 50 Seater Available
Plot No. 35, House No. 40, Kamptee Road, Shri Hari Nagri Near Ram Vatika, Bhilgaon, Nagpur-441002
: Contact :
Avinash Zanzote 9850340105 7972365539
Vilas Zanzote 9372211220 9112274567

प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू...
नवयुग एज्युकेशन आणि बहुउद्देशीय संस्था कन्हान द्वारा संचालित
ADMISSION OPEN FOR 2024-2025
मारोतराव पानतावणे ज्यु. कॉलेज
११ व १२ वी कला, वाणिज्य, विज्ञान
मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय
(राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ नागपूर द्वारा संलग्नित)
B.A., B.Com, B.Sc.कला, वाणिज्य, विज्ञान
संपर्क : मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय, गहुहिवरा रोड, कांद्री-कन्हान
07102-236484, 9373120336, 9834985854, 8766643359

2025 ADMISSION OPEN
FOR I.T.I. ELECTRICIAN & FITTER
FREE ADMISSION FOR GIRLS
Eligibility 10th Pass
Maharashtra Govt. SCHOLARSHIP UPTO 100% for SC/ST/OBC/EWS boys & girls
RABBANI ITI
Near Samaj Bhawan, Imli Bag, Kamptee 441001 Dist. Nagpur (M.S.)
9021132527 7721877941 9021194901

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

प्लस प्वाइंट ट्युशन क्लासेस
10, 11, 12 वीं की सभी विषयों की अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्युशन क्लासेस ली जाती है।
प्रोप्रा. मो. सलमान शेख
मोटर स्टैंड मस्जिद के पास, कामठी
तारसा रोड, कन्हान

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

3 STAR HOTEL
LODGING, BOARDING & RESTAURANT
AC / Non AC Room
8983305535, 8055705535
पता: घोरपड बस्ती, लिहीगांव रोड, कामठी

VIDEO GAMES SHOP
Convert VHS to Pendrive, Harddiskh
VHS को पेंनड्राइव में डालते है.
कोई भी पुरानी Video Cassette Recorder (VRC) शादी एंवम कोई भी पुरानी (VHS) कार्यक्रम की Video Cassette (VHS), VCD, CD, DVD, को Pendrive या Harddisk में Convert किया जाता है.
All Video Game for Sell & Repair Services also available
Only Place for Harddisk Loading
All type of USB & Electrical Accessories
All type of video game are available
Repair your Video Games, PS 2, 3, 4 & X Box
Order for Digital Video, Photo Album
DHAMTI VIDEO FILMS
9423771189, 9595399588
FOR SALE Plot Size 500 sqft. Construction 1000 sqft. RANALA, KAMPTEE

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

पत्नी की हत्या करने वाले को उम्रकैद

ठाणे.

राज्य के ठाणे में एक युवक को पत्नी की हत्या करने का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है. युवक ने पत्नी से पेट्रोल के लिए पैसे मांगे थे, लेकिन पत्नी ने जब पैसे नहीं दिए तो उसके सिर पर प्रेशर कुकर का ढक्कन मार दिया, इसके बाद गला रेत दिया और थिनर डालकर आग लगा दी थी. ठाणे की एक अदालत ने साल 2020 में अपनी पत्नी की हत्या करने वाले एक शख्स को उम्रकैद की सजा सुनाई है. इसी के साथ अदालत ने 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी जी मोहिते ने 29 वर्षीय आकाश मेघजी को नवंबर 2020 में अपनी पत्नी लक्ष्मी की हत्या का दोषी ठहराया. उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया. कलवा पुलिस स्टेशन में आकाश के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था. घटना के तुरंत बाद गिरफ्तारी के बाद से ही वह कस्टडी में है. आकाश और लक्ष्मी की शादी अक्टूबर 2018 में हुई थी. शुरुआती सालों में सब सामान्य लगा, लेकिन धीरे-धीरे घरेलू रिश्तों में दरारें दिखने लगीं. अतिरिक्त लोक अभियोजक रश्मि क्षीरसागर ने बताया कि आकाश नियमित रूप से लक्ष्मी को घरेलू मामलों को लेकर परेशान करता था और उसकी चरित्र पर शक करता था.

महाराष्ट्र राज्य
महसूल व वन विभाग
उपजिल्हाधिकारी (जि.प.पं.स. व ग्रा.प.नि.) निवडणूक शाखा,
जिल्हाधिकारी कार्यालय, आकाशवाणी चौक, नागपर
ई मेल - nagpurdycolvp@gmail.com

क्र.सहा.म.अ./ग्रापनि/डे-१३/सं.क्र. /कावि-५८८/२०२५ दिनांक :-१५ ..... ऑक्टोंबर, २०२५

ई-निविदा सुचना क्रमांक १०/२०२५

नागपूर जिल्हयातीलस्थानिक स्वराज्य संस्था (जिल्हा परीषद, पंचायत समिती, नगर परीषद, नगर पालिका, नगर पंचायती, ग्राम पंचायत इत्यादी) यांचे सार्वत्रिक / पोट निवडणूकीच्या अनुषंगाने, हमाल/ कामगार / मजुर पुरवठा करणेसाठी अनुभवी व सुयोग्य अभिकर्त्याकडून विहीत नमुन्यातील निविदा मागविण्यात येत आहे. त्यासाठी अशा प्रकारचा अनुभव असणाऱ्या अभिकर्त्यांकडून हमाल / कामगार / मजुर पुरवठा करणेचे कामकाज करून देण्यासाठी योग्य कंत्राटदाराकडून दिनांक १६/१०/२०२५ रोजी सकाळी १०.०० वाजेपासून ई-निविदा कार्यप्रणालीनुसार निविदा मागविण्यात येत आहे. ई-निविदा http://www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर अंतिम दिनांक २४/१०/२०२५ रोजी सायंकाळी ५.०० वाजेपर्यंत सादर करता येईल. निविदा दिनांक २७/१०/२०२५ रोजी दुपारी ०३.०० वाजता उपजिल्हाधिकारी तथा प्रभारी अधिकारी, जि.प.पं.स. व ग्रा.पं. निवडणूक विभाग, नागपूर यांचे कार्यालयात उघडण्यात येईल. कंत्राटदारांना काही अडचणी असल्यास दिनांक २०/१०/२०२५ रोजी दुपारी ०४.०० वाजता उपजिल्हाधिकारी तथा प्रभारी अधिकारी, जि.प.पं.स. व ग्रा.पं. निवडणूक विभाग, नागपूर येथे Pre-Bid Meeting मध्ये सोडविण्यात येईल.

(डॉ. विपीन)
जिल्हाधिकारी,
नागपूर

क्र. संमावज/नाग/ 490/ 2025

गुरुकुल में नाबालिग से यौन उत्पीड़न

रत्नागिरी.

राज्य के रत्नागिरी जिले के खेड तालुका में स्थित एक आध्यात्मिक वारकरी गुरुकुल आश्रम में यह शर्मनाक घटना सामने आई है. धार्मिक शिक्षा के नाम पर चल रहे इस संस्थान में एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न का मामला उजागर हुआ है. इस मामले में गुरुकुल के प्रमुख 'कोकरे महाराज' और उनके सहयोगी प्रतेश कदम पर गंभीर आरोप लगे हैं. पुलिस ने दोनों के खिलाफ पोस्को एक्ट की धारा 12 और 17 के तहत मामला दर्ज किया है. इसके अलावा बीएनएस की धारा 74, 351(3) और 85 के अंतर्गत भी अपराध दर्ज किया गया है. यह घटना खेड तालुका के लोटे इलाके की है. यहां छात्रा ने जून महीने से लगातार हो रहे उत्पीड़न की शिकायत खेड पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई. शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कोकरे महाराज को गिरफ्तार कर दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है.इस कांड के सामने आने के बाद पूरे रत्नागिरी जिले में सनसनी फैल गई है. धार्मिक शिक्षा के नाम पर चल रहे ऐसे संस्थानों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठने लगे हैं.फिलहाल कोकरे महाराज पुलिस हिरासत में हैं और जांच जारी है. पुलिस अन्य छात्राओं से भी पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं और लड़कियां भी इस शोषण का शिकार तो नहीं हुईं. शिवसेना विधायक का आरोप, शिवसेना के विधायक भास्कर जाधव ने कोकरे महाराज पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, भगवान कोकरे बीजेपी से जुड़े हुए हैं. जिन नेताओं ने उनकी गोशाला में जाकर भाषण दिए, अब उन्हें जनता के सामने जवाब देना होगा. कोकरे ने कई और छात्राओं का भी शोषण किया है. हम जल्द ही जनता के सामने उनका असली चेहरा लाएंगे.

एमवीए में शामिल होंगे राज ठाकरे?

मुंबई. मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के महा विकास आघाड़ी में शामिल होने को लेकर राज्य की सियासत गरमाई हुई है. इस संबंध में महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्द्धन सपकाल ने कहा कि देखिये राज ठाकरे अब तक एमवीए के हिस्सा नहीं हैं. राज्य चुनाव आयोग से मिलना और एमवीए का हिस्सा होना ये दोनों अलग-अलग बात है. राज ठाकरे को लेकर शिवसेना यूबीटी क्या सोचती है? ये उनका अपना विषय है, लेकिन एमवीए में अब तक राज ठाकरे को साथ लेने की कोई चर्चा नही हुई है.राज्य में विपक्षी नेता मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर आक्रमक हैx. उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे, विजय वडेट्टीवार, बालासाहेब थोराट, जयंत पाटिल समेत कई नेताओं ने चुनाव अधिकारियों से मुलाकात की थी. उसके बाद राज ठाकरे के महा विकास अघाड़ी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थी.

चुनाव आयोग से मुलाकता के बाद मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा था. उन्होंने कहा, मतदान गोपनीय होता है, अगर आप लिस्ट ऑनलाइन देते हैं, तो वह गोपनीय कैसे है? चुनाव आयोग इसे क्यों छिपा रहा है?

हिंदुओं पर संग्राम जगताप के बयान पर उन्होंने कहा कि ये संग्राम जगताप जब बयान दे रहे थे, तब अफगानिस्तान के मंत्री भारत में थे. एक तरफ ये भाजपा वाले और उनके सहयोगी दल सर्वधर्म समभाव की बात करते हैं.

महसूल व वन विभाग
कोर्ट: विद्यमान तहसीलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर, (आकाशवाणी चौक, सिव्हिल लाईन, नागपूर – 440001) तालुका: नागपूर शहर, जिल्हा: नागपूर . ई-मेल: tahsildarngpcity@gmail.com
दूरध्वनी क्र.: 0712-2561975, दिनांक: 09/10/2025
प्र.क्र.: 194/प्रस्तु-3/तह. नाग. (शहर)/कावि/2025

जाहिरनामा

सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचा शासन निर्णय दिनांक 12 मार्च 2025, मा. उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे पत्र क्र. 03/ई-1 अ.दि.17/03/2025, मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे पत्र क्र. अका/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि-104/2025 दिनांक 17/03/2025. अर्जदार श्री. धनवेश अंबादास अंकुशे, गायत्री नगर, जगनाडे चौक, हनुमान नगर, नागपूर.; अर्जदार श्री. धनवेश अंबादास अंकुशे यांनी त्यांच्या मुलाच्या जन्मतारखेची नोंद महानगरपालिका दप्तरी घेण्यासाठी निर्देशित करण्याच्या हेतूने अर्ज दाखल केला आहे. सदर अर्जदार यांचा मुलगा सौरभ धनवेश अंकुशे याचा जन्म दिनांक 06/09/2016 रोजी मेडिकल हॉस्पिटल, नागपूर येथे झाल्याचा दावा अर्जदाराने केला आहे. अर्जदाराने नमूद केल्याप्रमाणे, मुलाचे जन्म प्रमाणपत्र शासकीय व खाजगी कामासाठी आवश्यक असल्यामुळे त्याची नोंद घेणे आवश्यक आहे. त्या अनुषंगाने, मी तहसीलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर (शहर) – वरील वाचनांमध्ये नमूद केल्याप्रमाणे, मला प्राप्त अधिकारानुसार हे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीच्या बाबतीत नोंद घेण्याचा आदेश देणे व गृहचौकशी करण्याची कार्यवाही प्रस्तावित आहे. त्याबाबत कोणास काही आक्षेप/ माहिती/पुरावे सांगावयाचे असतील, तर ते आवश्यक पुराव्यासह साक्षीदारांसमवेत तहसीलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वखुशीने किंवा वकिलामार्फत, किंवा इतर कोणत्याही माध्यमातून, या जाहिरनाम्याच्या दिनांकापासून 15 दिवसांच्या आत सादर करावे. सदर मुदतीत कुठलाही आक्षेप / पुरावा प्राप्त न झाल्यास, नोंद घेण्याचा आदेश देण्यास कोणालाही काही सांगावयाचे नाही, असे गृहीत धरून प्रस्तावित कार्यवाही करण्यात येईल.

स्वा/-
तहसीलदार तथा तालुका
दंडाधिकारी, नागपूर शहर (करीता)

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली
जा.क्र./गोंवि/म.वि.वि.वि./1758/2025 **जाहिर सूचना** दिनांक : 16/10/2025

महाविद्यालयाच्या व्यवस्थापनाच्या हस्तांतरणाबाबत आक्षेप, हरकती व सुचना नोंदविण्याबाबत,

सर्व संबंधिताना सुचित करण्यात येते की, बल्लारपुर सेवा समिती बल्लारपुर द्वारा संचालीत मोहसिनभाई जव्हेरी महाविद्यालय वडसा जि. गडचिरोली या महाविद्यालयाच्या व्यवस्थापनाचे हस्तांतरण श्री शिवाजी शिक्षण सस्था, अमरावती जि. अमरावती या संस्थेकडे करण्याकरीता विद्यापीठाकडे प्रस्ताव संबधित संस्थानी सादर केला आहे. सदर व्यवस्थापनाच्या हस्तांतरणासंबंधी कोणाचे आक्षेप, हरकती व सुचना असल्यास त्यांनी विद्यापीठाकडे दिनांक ३१ ऑक्टोंबर, २०२५ पर्यंत सादर कराव्यात त्यांनतर प्राप्त होणा-या सुचना व हरकती याची दखल घेतली जाणार नाही याची नोंद घ्यावी.

मा. कुलगुरु महोदयांचे आदेशान्वये
कुलसचिव
गोंडवाना विद्यापीठ. गडचिरोली

DEAR GOVERNMENT LOTTERY
PUNJAB STATE LOTTERIES
पंजाब स्टेट DEAR दिवाळी बंपर 2025
किंमत ₹ 500
विजेत्यासाठी पहिले बक्षीस रक्कम
₹ 11 करोड हमीपात्र
HAPPY Diwali FESTIVAL OF LIGHTS
2nd Prize amount for Winners ₹ 3 करोड (1 करोड x 3 बक्षिसे)
सोडत दिनांक 31.10.2025 संध्याकाळी 8.00 नंतर
इतरही अनेक आकर्षक बक्षीसे
पहिले बक्षीस फक्त विकलेल्या तिकिटांमधूनच काढले जाणार आहे
LIVE STREAMING
Contact for Tickets : ARE YOU THE NEXT CROREPATI? TICKETS ARE AVAILABLE AT ALL LOTTERY COUNTERS

AMALNER : Vikas lottery & Gen. store : 8999612300 | **AHILYANAGAR :** Lucky lottery - 9423792145, Tulsi Lottery Agency - 9921198992 | **ANDHERI :** Megastar Distributor - 9967250008 **AMARAVATI :** New Hindustan Lottery - 7507867972 | **BORIWALI :** Diamond Corporation - 8657436773 | **BHAYANDER :** Balaji Sankari Agency - 9833213081 | **CHANDRAPUR :** Mahalaxmi Agency - 94221 36124/7558215696 | **DADAR :** Shree Ganesh Enterprises - 9870017798, Shree Siddhi Samarth Agency - 93261 96320, Ambika Lottery - 70457 19586, Shree Enterprise - 8422996345 | **DHULE :** Agarwal Lottery Agency - 9422706933 / 8766776900 | **GOREGAON :** Vishesh Distributers - 7900123332, Lambodar Enterprises - 9819224257, Multistar Distributor - 9930425378 | **GONDIA :** R.K. Lottery Mandi - 9325116868 | **GIRGAON :** Trimurti Lottery Agency - 9773373267, B.V. Kothavale - 9820629401| **ICHALKARANJI :** Maharaja Associates- 9028485789, Maharaja LotteryCentre-9764662643/ 9158729426 | **JALGAON :** Vyas Agency - 9890056854, Baheti Lottery - 9420389239 | **KOLHAPUR :** Mahavir Lottery Agency - 9822248473, 7066275145 | **KALYAN :** Prince Lottery - 9819574813 | **KALBADEVI :** Mewad Agency - 9833253514 | **KHAMGAON :** Matoshree Enterprises - 9922813194 | **MUMBAI :** Prince Agency - 9833748152 | **NERUL :** Shree Ganesh Krupa Agency - 9920116957 | **NAGPUR :** Lottery Bhandar - 9764688000, Balaji Marketing - 9371034883, Siraj Enterprises - 9822472123 | **NANDED :** Jagdamba Lottery Centre - 8956486986 , Prasad Enterprises - 9421908570, Shree Sai Krupa Lottery Agency - 9822767566, | **NASHIK :** Chirag Enterprises - 9168199999 | **CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR :** Rukmini Enterprises - 9822899520/8007059111, Komal Agency - 9370224810 | **SOLAPUR :** Barad Lottery Agency - 9420545869/9850501313 | **PANVEL :** Phatak Enterprises - 9167552882 | **PUNE :** Shri Gurudev Datta Lot. Agency - 9518591612, Kamal Agency - 830492061, Amit Lottery Agency - 9422087688 | **SANGLI :** Kishor M Shah - 8055204763 / 9552529044 | **SATARA :** Samrat Agency - 8805277966 | **YAWATMAL :** New Jai ambe Lottery Bhandar - 9421844726

अधिक माहितीसाठी कॉल करा (टोल फ्री) - 1800 266 0088
Mumbai - 8754562382 / 7845827316 / 8928588642/ 7397776862 / 9372275063, Solapur - 8805060191, Kolhapur - 9922431881, Nagpur - 9922090691 / 7845827259
Follow Us For More Updates Dearlotteries dearlotteries Dearlottery1 dearlotteries

सुविचार

नफरत किसी से न करें और अगर हो जाए तो स्वयं मंथन करें।

संपादकीय

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025: पारदर्शिता और सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सुधार के लिए वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 एक क्रांतिकारी कानून है। यह अधिनियम वक्फ प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता लाने का प्रयास करता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 सितंबर 2025 को दिए गए निर्णय में न्यायालय ने अधिनियम को पूर्ण रूप से रोकने से इनकार कर दिया है, जो इसकी संवैधानिकता के पक्ष में एक महत्वपूर्ण संकेत है। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका तकनीकी दृष्टिकोण है। यह अधिनियम वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करता है। एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से सभी वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन और प्रबंधन होगा, जिससे भ्रष्टाचार की संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। यह व्यवस्था न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी बल्कि वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को भी रोकेगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संपत्ति की जानकारी, आय-व्यय का ब्योरा, और विकास परियोजनाओं की स्थिति सभी हितधारकों के लिए सुलभ होगी। यह तकनीकी सुधार वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन लाएगा और समुदाय की भलाई के लिए संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करेगा। अधिनियम में प्रशासनिक ढांचे में व्यापक सुधार किए गए हैं। वक्फ बोर्डों की संरचना में सुधार करके उनमें विविधता और विशेषज्ञता लाई गई है। यह सुनिश्चित करता है कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन केवल धार्मिक आधार पर नहीं बल्कि आधुनिक प्रबंधन सिद्धांतों के अनुसार हो। बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों की सीमित संख्या में नियुक्ति से विविध दृष्टिकोण मिलेगा, जो बेहतर निर्णय लेने में सहायक होगा। नए अधिनियम में वक्फ बोर्डों और स्थानीय प्राधिकरणों के बीच बेहतर समन्वय की व्यवस्था है, जिससे विकास कार्यों में तेजी आएगी। यह समुदाय के हितों की रक्षा करते हुए राष्ट्रीय विकास में वक्फ संपत्तियों के योगदान को बढ़ाएगा। 15 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की खंडपीठ ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 पर महत्वपूर्ण निर्णय दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी भी कानून की संवैधानिकता के पक्ष में हमेशा अनुमान लगाया जाता है। यह टिप्पणी अधिनियम की वैधता के पक्ष में एक मजबूत संकेत है। न्यायालय ने पूरे अधिनियम को रोकने से इनकार कर दिया, केवल कुछ विशिष्ट प्रावधानों को अस्थायी रूप से रोका। यह निर्णय अधिनियम के मूल ढांचे और उद्देश्यों की वैधता को स्वीकार करता है। कोर्ट ने माना कि सुधार की आवश्यकता है और अधिकांश प्रावधान समुदाय और राष्ट्र के हित में हैं। अधिनियम का एक विशेष पहलू मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार है। नए नियमों से महिलाओं को वक्फ संपत्तियों से होने वाले लाभ में अधिक हिस्सेदारी मिलेगी। यह लैंगिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इस्लामिक न्याय के सिद्धांतों के अनुकूल भी है। वक्फ संपत्तियों से होने वाली आय का उपयोग महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में किया जाएगा। यह समुदाय के सामाजिक विकास में योगदान देगा और लैंगिक असमानता को कम करने में सहायक होगा। वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन न केवल समुदाय के लिए बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभकारी है। अधिनियम के तहत वक्फ संपत्तियों का व्यावसायिक उपयोग बढ़ेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यह न केवल मुस्लिम समुदाय बल्कि व्यापक समाज के लिए भी फायदेमंद होगा। संपत्तियों के विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और कृषि, व्यापार, शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्रों में नए निवेश आएंगे। यह समुदायिक विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय प्रगति में भी योगदान देगा।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 भारत में धार्मिक संपत्तियों के प्रबंधन में एक नए युग की शुरुआत करता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से स्पष्ट होता है कि न्यायपालिका भी इस सुधार की आवश्यकता को समझती है। यह अधिनियम न केवल वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकेगा बल्कि उनका उपयोग समुदाय और राष्ट्र की भलाई के लिए सुनिश्चित करेगा। आधुनिक तकनीक, पारदर्शी प्रक्रियाओं, और जवाबदेह प्रशासन के साथ यह अधिनियम वक्फ व्यवस्था को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। यह समुदायिक सद्भावना बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता में योगदान देगा और भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को मजबूत बनाएगा। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के अनुसार, यह निर्णय वक्फ सुधारों के महत्व की पुष्टि करता है और यह आश्वासन देता है कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा, विकास और उपयोग समुदाय एवं राष्ट्र की भलाई के लिए होगा। यह 2025 के सुधारों के उद्देश्यों के अनुकूल है और भविष्य में वक्फ प्रबंधन के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

मोहम्मद सादिक, पीएच.डी. जामिया मिल्लिया इस्लामिया

इंजीनियर साजिद शेख, डायरेक्टर, एम्परर कंस्ट्रक्शन नागपुर

'पड़ोसियों के प्रति दयालु बन जाइए'

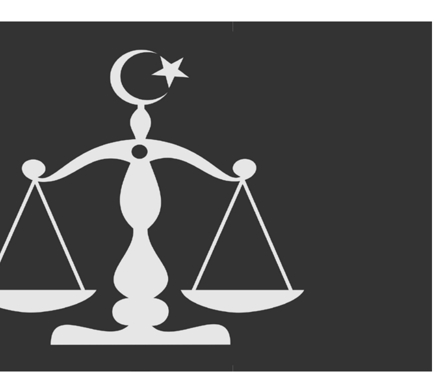

इस्लामी दृष्टिकोण के अंतर्गत पड़ोसियों के अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की गई है। लेकिन आज के दौर में पड़ोसियों के अधिकारों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता, ज़्यादातर लोग इबादत, यानी नमाज़, रोज़ा, हज और ज़कात को ही धर्म मानते हैं दूसरी ओर अगर कोई नैतिकता, खासकर पड़ोसी के अधिकारों पर गहराई से अध्ययन किया जाए तो पता चलता है कि किसी तरह पड़ोसी को नुकसान पहुचाना ईमान को खतरे में डालने के बराबर है दूसरे शब्दों में वह नमाज़ और रोज़ों के छोड़ने के नुकसान के दायरे में आ जाता है। इस लेख का मुख्य उद्देश्य पड़ोसी को परिभाषित करना, उसके अधिकारों, उसकी कमियों का निर्धारण और उनके निवारण की व्याख्या करने से है। वरना क़यामत के दिन हमारा कोई पड़ोसी हमारी कॉलर पकड़कर सारी नेकियाँ अपने खाते में ले लेगा।

पड़ोसी से तात्पर्य आस-पास के घर, दुकान, फ्लैट, झोपड़ी या अन्य इमारतों में रहने वाले लोगों और परिवार से है। दूसरे प्रकार के पड़ोसी वे लोग होते हैं जो किसी कारणवश सह-अस्तित्व का कारण बनते हैं।इसके विवरण के लिए, यदि हम सूरह अन-निसा की आयत संख्या 36 को अपने सामने रखें तो स्थिति इस पूरी तरह से सामने आ जाती है। इस प्रकार 'रिश्तेदार पड़ोसी' वह ऐसा पड़ोसी होता है जो रिश्तेदार भी है। इसलिए उसका अधिकार अन्य पड़ोसियों पर प्राथमिकता रखता है। अजनबी पड़ोसी ऐसे पड़ोसी को संदर्भित करता है जो रिश्तेदार नहीं बल्कि केवल पड़ोसी है। उसका दर्जा पहले वाले से कम है। साथी या पार्श्व साथी अर्थात वह जिसके साथ दिन-रात उठना-बैठना पड़े। यह शब्द एक ही घर या इमारत में रहने वाले विभिन्न लोगों, किसी कार्यालय, कारखाने या किसी अन्य संस्थान में एक साथ काम करने वाले लोगों, शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले सहकर्मियों, दोस्तों और अन्य परिचितों को संदर्भित करता है। अतः पड़ोसी शब्द को पवित्र क़ुरआन की आयत की रोशनी में इन सभी को शामिल करने के लिए समझा जाना चाहिए।

इस्लाम में पड़ोसी का मक़ाम - इस्लाम एक ऐसा धर्म है जो न सिर्फ़ इंसान और ख़ुदा के रिश्ते को मज़बूत करता है, बल्कि इंसानों के आपसी रिश्तों को भी बड़ी अहमियत देता है। इनमें पड़ोसी के हुक़ूक़ (अधिकार) का मक़ाम बहुत ऊँचा है। क़ुरआन और हदीस (पैग़म्बर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बातें) में पड़ोसी के साथ बेहतरीन सुलूक (अच्छा व्यवहार) करने पर ख़ास ज़ोर दिया गया है। यह महज़ एक सामाजिक ज़िम्मेदारी नहीं है, बल्कि एक अहम ईमानी फ़र्ज़ है। एक पड़ोसी होने के नाते, हमारा व्यवहार मुहब्बत, हमदर्दी और सम्मान से भरा होना चाहिए। क़ुरआन की रोशनी में हुक़ूक़ - क़ुरआन-ए-पाक में अल्लाह तआला फ़रमाता है: 'और अल्लाह की इबादत करो और उसके साथ किसी चीज़ को शरीक न करो और मां-बाप के साथ अच्छा सुलूक करो और रिश्तेदारों, यतीमों, मिसकीनों और क़रीबी पड़ोसी और दूर के पड़ोसी... के साथ भी।' (सूरह अन-निसा, 4:36)

इस आयत में, अल्लाह ने अपने सबसे बड़े हुक़ूक़ (इबादत) के फ़ौरन बाद माँ-बाप और रिश्तेदारों के साथ पड़ोसी के हुक़ूक़ को भी ज़िक्र किया है, जो इसकी अहमियत को ज़ाहिर करता है। इस्लाम में 'पड़ोसी' की परिभाषा बहुत व्यापक है, जिसमें सिर्फ़ दाएँ-बाएँ वाले घर ही नहीं, बल्कि 40 घरों तक को पड़ोसी माना गया है, चाहे वो मुस्लिम हों या ग़ैर-मुस्लिम - हदीस की तालीम और हुक़ूक़ की ज़िक्र नबी-ए-करीम हज़रत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने तो पड़ोसी के हुक़ूक़ पर इतना ज़ोर दिया कि सहाबा (साथियों) को महसूस हुआ कि शायद पड़ोसी को जायदाद में भी हिस्सा मिल जाएगा। एक मशहूर हदीस में आप (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमाया: "वो मोमिन नहीं, वो मोमिन नहीं, वो मोमिन नहीं, जिसका पड़ोसी उसकी शरारतों से महफ़ूज़ न हो।" (सहीह मुस्लिम) इससे ज़ाहिर होता है कि किसी भी तरह से पड़ोसी को तकलीफ़ पहुँचाना सख़्त गुनाह है। दूसरी हदीस में है कि: 'जिसने अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखा, उसे चाहिए कि अपने पड़ोसी के साथ अच्छा सुलूक करे।' (सहीह बुख़ारी) इन अहादीस के मुताबिक़, पड़ोसी को तकलीफ़ न देना, उसकी ख़ुशी में शरीक होना, ग़म में मदद करना और उसे भूखा न सोने देना, हमारी बुनियादी ज़िम्मेदारिया हैं। पड़ोसी के साथ व्यवहार और एक मशहूर वाक़िया- एक पड़ोसी होने के नाते, हमारा व्यवहार हमदर्दी और त्याग पर आधारित होना चाहिए। हमें उनकी ग़ैर-मौजूदगी में उनके घर की हिफ़ाज़त करनी चाहिए, बीमार हों तो इयादत (हाल पूछना) करनी चाहिए, और उन्हें ज़रूरत के वक़्त क़र्ज़ देना चाहिए। एक मशहूर वाक़िया है कि एक यहूदी पड़ोसी अपनी छत से कचरा फेंककर हज़रत अली (रज़ियल्लाहु अन्हु) को तकलीफ़ देता था। लेकिन हज़रत अली (रज़ि.) सब्र करते रहे और जब वो यहूदी बीमार हुआ, तो आप उसकी इयादत (देखभाल) के लिए गए। आपके इस बेहतरीन सुलूक और अख़लाक़ (चरित्र) से मुतास्सिर होकर उस यहूदी ने इस्लाम क़ुबूल कर लिया। यह वाक़िया हमें सिखाता है कि सब्र और अच्छे व्यवहार से दुश्मन को भी दोस्त बनाया जा सकता है।

ख़ुशहाल समाज का रास्ता - पड़ोसी के हुक़ूक़ की अदायगी महज़ एक धार्मिक आदेश नहीं है, बल्कि एक ख़ुशहाल और पुर-अमन समाज की बुनियाद है। जब हर शख़्स अपने पड़ोसियों के साथ अच्छा सुलूक करेगा, तो मुहल्ले और शहर में अमन और भाईचारा क़ायम होगा। एक-दूसरे का ख़्याल रखने से सामाजिक बंधन मज़बूत होते हैं और ज़रूरत के वक़्त एक-दूसरे का सहारा मिलता है। इसलिए, हमें अपने पड़ोसियों के हुक़ूक़ को पूरी ईमानदारी और मुहब्बत से अदा करना चाहिए ताकि हम दीन और दुनिया, दोनों में कामयाब हो सकें।

शुक्रवार स्पेशल

क्या मरणोत्तर जीवन का कोई वैज्ञानिक प्रमाण है?

एम आय शेख

इस प्रश्न का उत्तर 'हा' में दिया जा सकता है। इस संदर्भ में डॉक्टर रेमंड मूडी की प्रसिद्ध पुस्तक 'लाइफ आफ्टर लाइफ ' उल्लेखनीय है। डॉ. रेमंड मूडी एक अमेरिकी मनोचिकित्सक, दार्शनिक और लेखक हैं। उन्होंने लगभग 150 लोगों के 'नियर डेथ एक्सपीरियंस' यानी मृत्यु के करीब पहुंचे लोगों के अनुभवों का वैज्ञानिक अध्ययन किया और उनके अनुभवों के आधार पर 'लाइफ आफ्टर लाइफ '(1975) नामक पुस्तक लिखी। इस पुस्तक से वे विश्वभर में प्रसिद्ध हुए। डॉ. मूडी का पूरा नाम रेमंड ए. मूडी जूनियर है। उनका जन्म 30 जून 1944 को पोर्टडेल, जॉर्जिया (अमेरिका) में हुआ। उन्होंने मनोविज्ञान में बीए दर्शनशास्त्र में पीएच .डि. और चिकित्सा में एम.डि की डिग्रिया प्राप्त कीं। वे एक मनोचिकित्सक, शोधकर्ता, लेखक और प्राध्यापक हैं। 'लाइफ आफ्टर लाइफ' में उन्होंने ऐसे लोगों के अनुभव प्रस्तुत किए हैं, जो चिकित्सकीय रूप से मृत घोषित किए गए थे लेकिन कुछ समय बाद जीवित हो उठे और उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इन अनुभवों को डॉ. मूडी ने 'निकट-मृत्यु अनुभव' नाम दिया।

इन अनुभवों में कई लोगों ने एक जैसी बातें बताईं: उन्होंने अपने शरीर को ऊपर से देखा, जैसे वे अस्पताल की छत से डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को उन्हें बचाने का प्रयत्न करते देख रहे हों। किसी ने कहा कि वे एक अंधेरी सुरंग से प्रकाश की ओर बढ़ रहे थे। किसी ने तेजस्वी, परंतु शांत प्रकाश देखा। किसी ने अपने पूरे जीवन का त्वरित चित्रण होते देखा। कई लोगों ने शरीर छोड़ते समय गहरी शांति और आनंद महसूस किया। कुछ ने अपने मृत रिश्तेदारों या प्रकाशमय आत्माओं से भेंट होने का अनुभव बताया। डॉ. मूडी ने इन सबका मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन कर यह विचार प्रस्तुत किया कि "मृत्यु के बाद भी चेतना किसी न किसी रूप में बनी रहती है।' यह पुस्तक मृत्यु के बाद जीवन पर वैज्ञानिक विमर्श की दिशा में पहला बड़ा कदम मानी जाती है। इससे 'परलोक', 'आत्मा' और 'आख़िरत' जैसे आध्यात्मिक विचारों पर वैज्ञानिक और तात्त्विक चर्चा शुरू हुई।

'लाइफ आफ्टर लाइफ' के बाद डॉ. मूडी ने कई पुस्तकें लिखीं: रेफ्लेक्शन ऑन लाइफ आफ्टर लाइफ (1977), दीलाइफ बियॉन्ड (1988), रीयूनियनः विशनरी एनकाउंटर्स विथ डिपार्टेड लव्ड ओनेस (1993), और ग्लिम्प्सेस ऑफ़ एटर्निटी (2010)। इनमें उन्होंने आत्मा, चेतना और मरणोत्तर जीवन से जुड़ी अवधारणाओं को और स्पष्ट किया। आज भी डॉ. मूडी (लगभग 81 वर्ष के) जीवित हैं, व्याख्यान देते हैं और मरणोत्तर चेतना पर शोध को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने 'नियर डेथ एक्सपीरियंस' शब्द का प्रयोग सबसे पहले वैद्यकीय विज्ञान में किया। उनके शोध ने विज्ञान और अध्यात्म विशेषकर इस्लामी अध्यात्म के बीच एक पुल का निर्माण किया। हालांकि, यह अध्ययन उपभोक्तावादी व्यवस्था के विचारों के विपरीत था, इसलिए अमेरिकी सरकार या कॉर्पोरेट जगत ने इसे अधिक प्रचार नहीं दिया। इस कारण आज 2025 में भी कई लोगों को उनके कार्य की जानकारी पूरी तरह नहीं है। उनके अनुसंधान से यह निष्कर्ष निकलता है कि मृत्यु अंत नहीं है, बल्कि एक संक्रमण है. जहा व्यक्ति की चेतना शारीरिक मृत्यु के बाद भी जीवित रहती है। यह अनुभव प्रायः लोगों के जीवन-दृष्टिकोण को बदल देता है; मृत्यु का भय घट जाता है और जीवन के प्रति शांति तथा प्रेम की भावना बढ़ जाती है। 'लाइफ आफ्टर लाइफ' पुस्तक विज्ञान की दृष्टि से यह समझने में मदद करती है कि मृत्यु के बाद 'क्या' होता है।

आस्था

धनतेरस क्यों मनाते हैं?

हर साल कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाया जाता है. इस साल धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा. धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरि की पूजा प्रमुख रूप से की जाती है. इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर के भी पजून का विधान है. धनतेरस का संबंध समुद्र मंथन से भी बताया जाता है. आइए जानते हैं क्या है इसकी पीछे की पौराणिक कहानी? देवाताओं ने भगवान विष्णु से मदद की गुहार लगाई. इसके बाद भगवान विष्णु ने देवताओं को सलाह दी कि वो अमरता का अमृत प्राप्त करने के लिए ब्रह्मांडीय सागर का मंथन करें. भगवान विष्णु की सलाह के बाद असुरों और देवाताओं में अमृतपान करने की होड़ लग गई. मंदार पर्वत मंथन का छड़ी बन गया और वासुकी नाग रस्सी. मंदार पर्वत को भगवान विष्ण ने कच्छप अवतार लेकर पीठ पर धारण किया. समुद्र मंथन के अंत में भगवान धनवंतरि अपने हाथों में हाथों में अमृत का एक पात्र और आयुर्वेद की एक प्राचीन किताब लेकर प्रकट हुए. भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमरता का उपहार और उपचार का ज्ञान लेकर प्रकट हुए थे, तभी से यह दिन धन्वंतरि त्रयोदशी या धनतेरस के नाम से जाना जाता है. धनतेरस से जुड़ी ये कथा हमें बताती कि यह पर्व केवल धन सोने-चांदी का नहीं, बल्कि सबसे बड़े खजाने सेहत और शांति पूर्ण जीवन के लिए है, जो हमारे पास है.

दुनिया अज्ञानता में डूबी थी, तब भारत ने वेद रचे

भारत की सभ्यता का मूल तत्व है ज्ञान की साधना। यहां ज्ञान केवल अर्जित करने की वस्तु नहीं बल्कि अमूर्त आत्मा को देखने, सुनने, निदिध्यासन और मनन करने का माध्यम रहा है - आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यः मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः। जब मानव सभ्यता के अधिकांश भाग अज्ञान और अंधकार में डूबे हुए थे, तब भारत की भूमि पर वेदों की ऋचाएं गूंज रही थीं।भारत ने दुनिया को शून्य की अमूल्य देन दी। इस 'कुछ नहीं' में 'सब कुछ' का दर्शन छिपा है। संस्कृत में 'शून्य' का अर्थ है. रिक्त, अभाव-विशिष्ट, असंपूर्ण या खाली। शून्य दार्शनिक और आध्यात्मिक दृष्टि से संभावनाओं व अनंतता का प्रतीक है। भारतीय दार्शनिकों ने इसे ब्रह्म का प्रतिनिधित्व माना क्योंकि इसमें एक को घटाना और बढ़ाना, दोनों संभव हैं। इसी से ब्रह्म को 'सत्यं ज्ञानमनन्तम्' कहा गया है। बौद्ध दर्शन के अप्रतिम विद्वान नागार्जुन ने शून्यता को अस्तित्व और अनस्तित्व के मध्य संतुलन के रूप में देखा। यही सृष्टि की उत्पत्ति का रहस्य है। आज कंप्यूटर से लेकर अंतरिक्ष-गणना तक, सब कुछ इसी खोज का परिणाम है। पाणिनि का 'अष्टाध्यायी' केवल व्याकरण का ग्रंथ नहीं, तर्कशास्त्र और गणितीय प्रणाली का अनोखा संगम है। यह प्रणाली आधुनिक संगणकीय भाषा विज्ञान (कंप्यूटर) और एआई के कई सिद्धांतों का आधार बनी। भारतीय शास्त्रों में निहित ध्वनि विज्ञान की परंपरा भी अद्वितीय है। प्रातिशाख्य ग्रंथों में प्रत्येक ध्वनि, स्वर और व्यंजन के उच्चारण के स्थान, मुखांगों की गति व ध्वनि के प्रभाव का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया। भारत ने चेतना के विज्ञान में भी विश्व को दिशा दी। पतंजलि का योग सूत्र इसका सर्वोच्च प्रमाण है। योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः योग मन की एकाग्रता और चेतना का शोधन है। योग की परंपरा मनोविज्ञान, तंत्रिका-विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य के सिद्धांतों को समेटे है। आर्यभट ने पृथ्वी की गोलाई, धुरी पर उसकी गति और सूर्य के चारों ओर परिक्रमा का सिद्धांत प्रतिपादित किया। भास्कराचार्य ने 'लीलावती' और 'बीजगणित' में गणितीय क्रियाओं का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया, जिसने आधुनिक गणित की नींव रखी।

व्यंग्य

उमेश गुप्ता

बिचौलिये

बिचौलिये जिन्हें हिन्दी में मध्यस्थ, उर्दू में दलाल, अंग्रेजी में आरबिट्रेटर कहते हैं, बहुत काम के आदमी रहते हैं जो काम इस दुनिया में हम स्वयं नहीं कर सकते हैं, उन्हें यह बड़ी आसानी से कर देते हैं जिस काम के बीच में बिचौलिये आ जाते हैं, उसके निपटने में ज्यादा समय नहीं लगता है। इनके शब्दकोष में नेपोलियन और नेताओं की तरह 'असंभव' शब्द नहीं होता है, इनके लिए सभी काम संभव है। ये कहीं ना कहीं से काई तिकड़म भिड़ाकर लोगों का काम कर देते है। बिचौलिये के पास हकीम लुकमान की तरह हर ला - इलाज मर्ज का इलाज रहता है, ये आपको सात समुन्दर पार खाड़ी के देशों में नौकरी दिलवा सकते हैं, घर बैठे बी.ए. पास करवा सकते हैं, मैट्रिक की जाली अंक सूची लाकर कालेज में प्रवेश दिलवा सकते हैं, किसी भ्रष्टाचारी से मिलकर आपके नालायक इंटर फेल आवारा बेटे की अच्छी सरकारी नौकरी लगवा सकते हैं, बिचौलिये इस पृथ्वी पर हर वह काम कर सकते हैं, जिसके लिए भगवान को विभिन्न रूपों में इस संसार में बार-बार अवतार लेना पड़ता था। बिचौलियों के लिए कोई काम छोटा या बड़ा नहीं रहता है। ये आपके पुत्र पुत्रियों की शादी से लेकर उनके सुकुमार तक का नर्सरी में प्रवेश आसानी से करा सकते हैं, ये छोटी सी खरीद से लेकर देश के सामरिक महत्व के सौदे तक में अपना दखल रखते है, इनकी खोजबीन करना कठिन काम है, ये ऊपर से दिखने में अदृश्यमान, सिर्फ अनुभव करने वाले जीव होते हैं, इनका हमें आभास हो सकता है, परिचय नहीं.

लोककथा

डॉ.विजय चौरसिया

राजकुंवर और तेली की बिटिया

एक राजा था। उसका नाम शेर सिंह था। उसका एक बेटा था। वह बचपन से ही एक तेली की बेटी रुपैनी के साथ खेलता - कूदता था। जिसके कारण बड़े होने पर दोनों आपस में प्रेम करने लगे। एक दिन राजकुमार एक साधु के पास गया। वह तेली की बेटी भी उसी साधु के पास पहुंची। राजकुमार को नहीं मालूम था कि रुपैनी उसी साधु के पास जाने वाली है। दोनों साधु की कुटिया में मिले। दोनों ने साधु के यहां जाकर पूजा - पाठ किया और अपनी मुराद पूरी करने के लिए साधु से वरदान मांगा। तब साधु ने कहा आज मैं तुमको किसी भी प्रकार का वरदान नहीं दे सकता। तुम दोनों कल सुबह मुर्गा के बोलते ही मेरी कुटिया में आ जाना। उसके बाद दोनों साधु की कुटिया से जाने लगे। अब दोनों एक साथ चलने लगते हैं। रास्ते में जोर से आँधी - पानी एक साथ आ गए। वह दोनों पानी से बचने के लिए एक झोपड़ी में घुस जाते हैं। उसी समय एक बैल भी उस झोपड़ी में आ गया। बहुत देर तक पानी गिरता रहा। दोनों पानी बंद होने की रास्ता देखते रहे। पानी गिरना बंद नहीं हुआ। वे दोनों उस झोपड़ी के अंदर सो गए। परंतु दोनों एक साथ नहीं सोये। राजकुमार एक कोने में सोया तो रुपैनी दूसरे कोने में सोई। बैल भी उन दोनों के बीच में जाकर बैठ गया। राजकुमार ने अपने और रुपैनी के बीच अपनी तलवार और कुछ लकड़ियां रख दी थीं।

टिप्स

धनतेरस पर करें नमक से ये चमत्कारी उपाय

हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन धनतेरस का पर्व मनाया जाता है. इस शुभ मौके पर माता लक्ष्मी, कुबेर महाराज और भगवान धन्वंतरि के पूजन का विधान है. इस दिन माता लक्ष्मी, कुबेर महाराज और भगवान धन्वंतरि की पूजा करने से जीवन में खुशहाली आती है. इस दिन सोने-चांदी से बने आभूषण और नए बर्तन भी खरीदे जाते हैं. वास्तु दोष से छुटकारा पाने के लिए धनतेरस के दिन नमक मिले पानी से घर में पोछा लगाना चाहिए. ऐसा करने वास्तु दोष दूर होता है. साथ ही घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है. धन तेरस के दिन नमक जरूर खरीदना चाहिए. ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं. साधक पर उनकी कृपा होती है, जिससे घर के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है. धनतेरस के दिन नमक का लेनदेन वर्जित है. ज्योतिषियों के अनुसार, इस दिन नमक का लेनदेन भूलकर भी नहीं करना चाहिए. इस दिन किसी से भी उधार नमक लेना या देना नहीं चाहिए. धनतेरस के दिन दान का भी बहुत महत्व है, इसलिए इस दिन अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार, धन और अन्न का दान अवश्य करना चाहिए धनतेरस के दिन घर के मुख्य द्वार पर नमक मिला पानी छिड़कना चाहिए. ऐसा करने से दुख और दरिद्रता दूर होती है.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्थित योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शुक्रवार, 17 अक्तूबर 2025

शहीद जवानों के परिवारों को दिवाली के अवसर पर फराल का वितरण

अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष कार्रवाई) डॉ. छेरिंग दोरजे की उपस्थिति में

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली जिला माओवाद प्रभावित और अतिसंवेदनशील क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यहां के पुलिस जवान माओवादियों से लड़ते हुए अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय देते हैं। अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अब तक गढ़चिरोली जिले के विभिन्न सुरक्षा बलों के कुल 213 जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहीद जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके परिवारों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से गढ़चिरोली पुलिस बल की ओर से दिवाली फराल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आज दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष कार्रवाई) डॉ. छेरिंग दोरजे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. छेरिंग दोरजे ने शहीद जवानों के परिजनों से संवाद साधते हुए उन्हें दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा "गढ़चिरोली पुलिस बल के सभी जवान अत्यंत साहस और समर्पण के साथ माओवाद के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं। इस लड़ाई में शहीद हुए जवानों के बलिदान के कारण ही आज गढ़चिरोली जिला माओवाद-मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सभी शहीद जवानों के परिवार हमारे अपने परिवार के समान हैं, और महाराष्ट्र पुलिस तथा गढ़चिरोली पुलिस बल सदैव उनके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।"

इसके पश्चात अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष कार्रवाई) डॉ. छेरिंग दोरजे, पुलिस उप-महानिरीक्षक अंकित गोयल, पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें दिवाली की शुभकामनाएँ दीं, फराल भेंट स्वरूप प्रदान किया, और उनकी समस्याएँ सुनकर आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

शासकीय धान खरीद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण तुरंत शुरू करने की मांग

देसाईगंज तालुका कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेंद्र बुल्ले

देसाईगंज.

देसाईगंज तालुका में वर्तमान में हल्की प्रतिचा (अर्ली हार्वेस्ट) वाली धान की कटाई चल रही है और किसान धान कटाई (थ्रेसिंग) के इंतजार में हैं। मौसम के अनिश्चित बदलाव और अवकाली बारिश की संभावना को देखते हुए शेतकर्मियों को नुकसान उठाने की संभावना बनी हुई है। इसी कारण देसाईगंज तालुका कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेंद्र बुल्ले ने राज्य सरकार को पत्र देकर शासकीय धान खरीद केंद्र की ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया तुरंत शुरू करने और खरीद केंद्र शीघ्र सक्रिय करने की मांग की है।

पत्र में उन्होंने कहा कि देसाईगंज तालुका का मुख्य फसल धान है और शेतकर्मी इस पर अपनी वार्षिक आर्थिक योजना निर्भर करते हैं। बच्चों की शिक्षा, विवाह और अन्य खर्च भी इसी फसल की आय पर आधारित हैं।

यदि मड़नी होते ही शेतकर्मी धान उस समय के उचित मूल्य पर नहीं बेच पाए तो उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है।

उन्होंने बताया कि व्यापारी अक्सर धान के भाव कम करके खरीद करते हैं, जिससे उत्पादन लागत पूरी नहीं निकल पाती। शासकीय धान खरीद केंद्रों पर हमीभाव (मिनिमम सपोर्ट प्राइस) मिलने के बावजूद, समय पर केंद्र खुलने में देरी के कारण शेतकर्मी धान उचित मूल्य पर बेच नहीं पाते। खुला बाजार हमीभाव देने में सक्षम नहीं होने के कारण, शेतकर्मी आर्थिक दबाव में आ जाते हैं और कई बार कर्ज़ में फंस जाते हैं।

राजेंद्र बुल्ले ने कहा कि यह स्थिति गंभीर है। हल्की प्रतिचा वाले धान की खुली बाजार में बिक्री शुरू हो चुकी है। अतः शासकीय धान खरीद केंद्र के लिए ऑनलाइन नामांकन तुरंत चालू करना और केंद्र जल्द से जल्द खोलना जरूरी है।

गढ़चिरोली का इतिहास आज एक नया अध्याय लिख रहा है

गढ़चिरोली.

दहशत, भय और रक्तरंजित विचारधारा के अंधेरे से निकलकर नक्सल आंदोलन के कुख्यात भूपति गुट ने आज आत्मसमर्पण करने का निर्णय लिया है वह भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में।

यह सिर्फ आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि राज्य के इतिहास में पहली बार नक्सलवाद पर विश्वास और विकास की जीत का प्रतीक है। गढ़चिरौली जहां कभी बंदूकों की आवाज गूंजती थी, आज वहां भरोसे और शांति की ध्वनि सुनाई दे रही है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की ठोस पहल की सड़कें, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संवाद का नया अध्याय शुरू किया। उन्होंने यह साबित कर दिखाया कि सरकार सिर्फ पुलिस बल नहीं होती, बल्कि मिट्टी से जुड़े हर इंसान का हाथ थामकर उसे मुख्यधारा में लाने का नाम है। भूपति और उसके साथियों का आत्मसमर्पण, सरकार की संवेदनशील नीतियों और भरोसेमंद संवाद का परिणाम है। जो कभी बंदूक पर विश्वास करते थे, आज वे सरकार की पुनर्वास नीति पर भरोसा जता रहे हैं। गढ़चिरौली की धरती आज पूरे देश को एक संदेश दे रही है "बंदूक नहीं, विकास जीतता है।" देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में गढ़चिरौली में शांति की यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। नई स्कूलें, स्वास्थ्य सुविधाएँ, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र और पुलिस-जन संवाद ने यहाँ का माहौल बदल दिया है। और आज का यह ऐतिहासिक आत्मसमर्पण उन सभी प्रयासों का मुकुटमणि बन गया है। राज्य के इतिहास में पहली बार इतना बड़ा आत्मसमर्पण, वो भी मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुआ है। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि जब संवेदनशील नेतृत्व और ठोस राजनीतिक इच्छाशक्ति साथ आती है, तो नक्सलवाद भी खत्म हो सकता है।

गढ़चिरोली की लाल मिट्टी आज नई सुबह की गवाह बन गई है जहां बंदूक नहीं, विकास की क्रांति फडणवीस के नेतृत्व में जन-जन तक पहुँच रही है।

गढ़चिरोली जिले में 23 अक्तूबर से 6 नवंबर तक जमावबंदी लागू

गढ़चिरोली.

जिले में विभिन्न राजनीतिक दलों, संगठनों और नागरिकों द्वारा सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए धरना, मोर्चा, आंदोलन, सभा या अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना को देखते हुए, जिल्हाधिकारी एवं जिल्हा दंडाधिकारी अविश्यांत पंडा ने महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 37(1) और (3) के तहत 23 अक्टूबर 2025 की मध्यरात्रि से 6 नवंबर 2025 की मध्यरात्रि तक पूरे जिले में जमावबंदी लागू करने का आदेश दिया है।

इस आदेश के अनुसार, किसी भी व्यक्ति द्वारा शस्त्र, डंडा, तलवार, भाला, बंदूक या किसी भी प्रकार के उपकरण तथा आग्नेय या विस्फोटक पदार्थ रखना पूरी तरह से वर्जित है।

सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे प्रदर्शन, नारेबाजी या गतिविधियाँ, जो समाज में अशांति या असंतुलन पैदा कर सकती हैं, उन पर भी प्रतिबंध रहेगा।

जमावबंदी के तहत सार्वजनिक मार्गों या स्थानों पर पाँच या अधिक व्यक्तियों का जमाव, रैली, मोर्चा या कोई सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उपविभागीय दंडाधिकारी, कार्यकारी दंडाधिकारी या संबंधित पुलिस स्टेशन अधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी, यह भी आदेश में स्पष्ट किया गया है।

शिवाजी विद्यालय में उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सम्मान

गढ़चिरोली.

शिवाजी विद्यालय में विभिन्न जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम क्रीड़ा युवक व सेवा संचालनालय, पुणे के अंतर्गत जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, गडचिरौली द्वारा आयोजित किया गया।

प्रतियोगिताओं में प्रमुख उपलब्धियां:

बेसबॉल (17 वर्ष की उम्र वर्ग, लड़कियां) – प्रथम स्थान, कुश्ती (विभिन्न भार और आयु वर्ग) – 9 खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया मैदानी खेल (19 वर्ष की उम्र वर्ग, लड़के और लड़कियां) – प्रथम स्थान कराटे (14 वर्ष की उम्र वर्ग) – द्वितीय स्थान कार्यक्रम में शिवाजी शिक्षण प्रसारक मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डी. एन. चापले, शि. प्र. मंडल गडचिरौली के सदस्य जी. वी. बानबले, ब्राह्मणवाड़े के प्राचार्य दीपक पाटिल, उप-प्राचार्य संघमित्रा कांबले, पर्यवेक्षक एस. डी. दासेवार और पालक-शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष दिलीप वनकर ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके भविष्य के खेल करियर के लिए शुभकामनाएं दी।

पिंपळगांव (ह.) द्वारा 'आदि कर्मयोगी अभियान' अंतर्गत शिवार फेरी आयोजित

देसाईगंज. धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत पंचायत समिति देसाईगंज के क्षेत्र में आने वाले ग्रामपंचायत पिंपळगांव (ह.) की ओर से दिनांक 29 सितंबर 2025 को शिवार फेरी का आयोजन किया गया। इसके पश्चात जिला परिषद शाला, पिंपळगांव (ह.) के प्रांगण में आयोजित ग्रामसभा में गाँव के सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण से अनुसूचित जाति केंद्र को ध्यान में रखते हुए आगामी 5 वर्षों के लिए विकास आराखड़ा निर्धारित किया गया।

इस कार्यक्रम में ग्रामपंचायत के सरपंच रामचंद्रजी राऊत, उपसरपंच प्रकाश उरकुडे, ग्रामपंचायत सदस्य यशोदा ठाकरे, तलाठी श्री मगरे, कृषि सहायक बगमारे, ग्रामपंचायत अधिकारी श्री नाकाडे सहित सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कुएं में कूदकर 65 वर्षीय व्यक्ति ने की आत्महत्या

चिमूर पुलिस कर रही है मामले की जांच

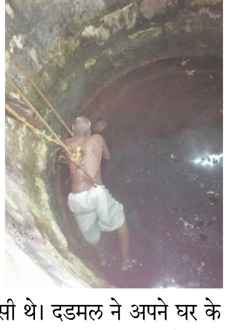

चिमूर. चिमूर तालुका अंतर्गत नेरी में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ मंगलवार, 15 अक्टूबर को शाम लगभग 6 बजे एक व्यक्ति ने कुएं में कूदकर अपनी जीवन यात्रा समाप्त कर ली। आत्महत्या करने वाले व्यक्ति की पहचान कवडू बालाजी दडमल (उम्र 65 वर्ष) के रूप में हुई है, जो नेताजी वार्ड क्रमांक 5 के निवासी थे। दडमल ने अपने घर के पास स्थित एक कुएं में छलांग लगा दी। हालांकि, उनके इस कठोर कदम उठाने के पीछे का वास्तविक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

मृतक के परिवार में उनकी तीन बेटियाँ, एक बेटा और अन्य रिश्तेदार हैं। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता तथा तमूस अध्यक्ष पिंटू खाटीक तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और तुरंत राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। चिमूर पुलिस ने शव का पंचनामा कर लिया है और इस दुखद मामले की आगे की जाँच कर रही है।

69वें धम्मचक्र अनुवर्तन दिवस के मौके पर चंद्रपुर में बड़ी रैली

चंद्रपूर, मनोज गोरे

चंद्रपुर की ऐतिहासिक दीक्षाभूमि पर 69वां धम्म चक्र अनुवर्तन दिवस बहुत ही इमोशनल माहौल में मनाया गया। इस मौके पर शहर में एक बड़ी रैली का आयोजन किया गया। रैली डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति से शुरू हुई। रैली के बीच में, हजारों बौद्ध अनुयायियों ने बड़ी संख्या में डॉ. बाबासाहेब की अस्थियों के दर्शन किए। समता सैनिक दल का अनुशासित जुलूस रैली का मुख्य आकर्षण था। लगभग 3 किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद, रैली दीक्षाभूमि इलाके में पहुंची, जहां सामूहिक बुद्ध वंदना की गई। दीक्षाभूमि इलाका आज खचाखच भरा हुआ लग रहा था। सैकड़ों बुक स्टॉल, वैचारिक सेशन और अलग-अलग एक्टिविटी के साथ, यहां सोचने पर मजबूर करने वाला अनुभव हो रहा है। धम्म चक्र दिवस एक ऐसा दिन है जो खुद में बदलाव, बराबरी और न्याय का संदेश देता है। आज दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की ज़रूरत है। बाबासाहेब का दिखाया धम्म का रास्ता इंसानियत के लिए ज़रूरी है। चंद्रपुर शहर आज बुद्ध के विचारों से रोशन है, और धम्म चक्र संशोधन दिवस का जश्न शांति, अनुशासन और एकता का संदेश दे रहा है।

काजलसर में भयावह स्थिति: गड्ढों में डूबी पुलिया

बस सेवा ठप; छात्रों की पढ़ाई पर संकट

चिमूर.

बुनियादी सुविधाओं की घोर उपेक्षा का शिकार हुए चार हजार से अधिक आबादी वाले काजळसर गाँव में एक महत्वपूर्ण पुलिया के खस्ताहाल होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गाँव की दो प्रमुख बस्तियों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली यह एकमात्र और महत्वपूर्ण पुलिया गहरे गड्ढों के कारण इतनी जर्जर हो चुकी है कि इसे पार करना अब जान जोखिम में डालने जैसा है।

इस दयनीय स्थिति के कारण, गाँव में तीन बार आने वाली नियमित बस सेवा पूरी तरह से रोक दी गई है, जिससे ग्रामीणों और विशेष रूप से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छात्रों की शिक्षा और सुरक्षा खतरे में : काजळसर गाँव में विद्यालय 12वीं कक्षा तक ही है। इसके चलते, लगभग 50 से 60 छात्र उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए प्रतिदिन नवरगाँव या नेरी तक का लंबा और जोखिम भरा सफर करते हैं।

बस सेवा ठप होने के बाद, इन छात्रों को मजबूरन टूटी हुई पुलिया पर जोखिम उठाते हुए और कीचड़ भरे रास्तों से पैदल या निजी साधनों से यात्रा करनी पड़ रही है। सुबह-शाम की यह अनावश्यक यात्रा न केवल छात्रों का बहुमूल्य समय बर्बाद कर रही है, बल्कि उनकी सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती है।

एक ग्रामीण ने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा: "गाँव दो हिस्सों में बँटा हुआ महसूस हो रहा है। ये बड़े-बड़े गड्ढे पुलिया पर नहीं, बल्कि हमारे धैर्य पर पड़ रहे हैं। बसों का आना-जाना बंद होने से बच्चों को पढ़ाई के लिए इतना कष्ट सहना पड़ रहा है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।"

तत्काल मरम्मत करणे की मांग : स्थानीय ग्रामवासियों ने इस गंभीर समस्या पर संबंधित सरकारी विभाग की उदासीनता पर कड़ी आपत्ति जताई है। उनका स्पष्ट कहना है कि यह पुलिया सिर्फ आंतरिक कनेक्टिविटी का मामला नहीं है, बल्कि यह गाँव को मुख्य आर्थिक और शैक्षणिक केंद्र से जोड़ती है। ग्रामवासियों ने संबंधित विभाग से तत्काल प्रभाव से इस खस्ताहाल पुलिया की मरम्मत करने और बाधित हुई बस सेवा को जल्द से जल्द बहाल करने की पुरजोर माँग की है, ताकि गाँव के लोगों और बच्चों को इस अनावश्यक त्रास से मुक्ति मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो वे सड़कों पर उतरकर तीव्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

चांदी के भाव ने तोड़े रिकॉर्ड

> धनतेरस पर लें या रुकें?

नई दिल्ली.

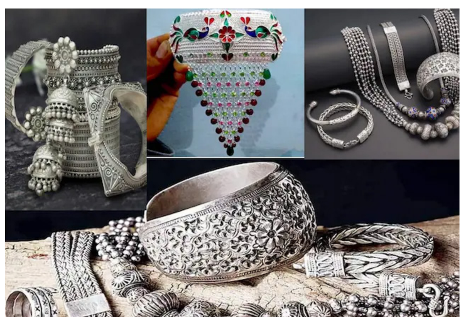

भारत में पिछले चार महीनों से चांदी की कीमतों में जो आग लगी है, उसने हर किसी को हैरान कर दिया है. त्योहारी सीजन, खासकर धनतेरस और दिवाली की खरीदारी ने इस तेजी को और हवा दी है. आलम यह है कि पिछले साल धनतेरस पर जो 10 ग्राम चांदी का सिक्का लगभग 1,100 रुपये में मिल रहा था, इस साल उसकी कीमत 1,950 रुपये के करीब पहुंच गई है. यानी साल भर में कीमतों में लगभग 98% का उछाल, जो सोने की बढ़त को भी कहीं पीछे छोड़ चुका है.निवेशकों से लेकर आम खरीदार तक, हर किसी के मन में अब एक ही सवाल है – क्या आसमान छूने के बाद चांदी के दाम अब जमीन पर आएंगे? दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में चांदी 1.89 लाख रुपये प्रति किलोग्राम का आंकड़ा पार कर चुकी है, तो चेन्नई में यह 2 लाख रुपये तक पहुंच गई है. इस बेतहाशा तेजी के पीछे वैश्विक कारण, औद्योगिक मांग और त्योहारी खरीदारी का मिला-जुला असर है. लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह चमक फीकी पड़ने वाली है?

चांदी की कीमतों में इस असाधारण वृद्धि के पीछे कोई एक कारण नहीं है. सबसे पहले, इसकी औद्योगिक मांग में भारी इजाफा हुआ है. इलेक्ट्रिक गाड़ियों, सोलर पैनल और सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने में चांदी एक अनिवार्य धातु है. जैसे-जैसे दुनिया ग्रीन एनर्जी और टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ रही है, चांदी की मांग भी बढ़ रही है. दूसरी तरफ, मध्य-पूर्व और यूक्रेन में चल रहे तनाव और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में निवेशकों ने इसे सोने की तरह ही एक 'सुरक्षित निवेश' के तौर पर देखा है. जब भी दुनिया में संकट बढ़ता है, निवेशक अपना पैसा कीमती धातुओं में लगाते हैं, जिससे उनकी मांग और कीमत दोनों बढ़ जाती है.

इन वैश्विक कारणों के साथ जब भारत में त्योहारी और शादियों के सीजन की मांग जुड़ गई, तो कीमतों में मानो पंख लग गए.

क्या त्यौहार के बाद राहत मिलेगी?

बाजार के जानकारों की मानें तो इसका जवाब 'हां' है, कम से कम कुछ समय के लिए. विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी की कीमतों में हालिया उछाल जरूरत से ज्यादा है और बाजार 'ओवरबॉट' यानी अत्यधिक खरीददारी की स्थिति में है. ऑगमोंट की रिसर्च हेड रेनिशा चैनानी के अनुसार, दिवाली के बाद जब त्यौहार मांग का दबाव कम होगा, तो बाजार सामान्य स्थिति में लौट सकता है. हमें अगले हफ्ते से कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है.

एयरटेल और आईबीएम में क्लाउड टेक्नोलॉजी को लेकर बड़ी डील

नई दिल्ली.

भारत की अग्रणी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने आईबीएम के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है, जिसका उद्देश्य हाल ही में लॉन्च किए गए एयरटेल क्लाउड को और सशक्त बनाना है। यह साझेदारी एयरटेल की उच्च सुरक्षा, विश्वसनीयता और डेटा रेजिडेंसी को आईबीएम की उन्नत एआई इंफरेंसिंग तकनीक और क्लाउड समाधानों के साथ एकीकृत करेगी।

दोनों कंपनिया मिलकर भारत के विनियमित उद्योगों जैसे बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा और सरकारी संस्थानों को एआई वर्कलोड को अधिक कुशलता से प्रबंधित करने में मदद करेंगी। इस सहयोग से एयरटेल क्लाउड के ग्राहक आईबीएम पावर सिस्टम पोर्टफोलियो को "एज़-ए-सर्विस" मॉडल में उपयोग कर सकेंगे, जिसमें नवीनतम पावर11 सर्वर शामिल हैं जो एआई-रेडी और मिशन-क्रिटिकल अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त हैं।

एयरटेल के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गोपाल विट्टल ने कहा कि यह साझेदारी एयरटेल क्लाउड को और अधिक सुरक्षित, फुर्तीला और शक्तिशाली बनाएगी। इसके तहत एयरटेल अपने उपलब्धता जोन्स की संख्या चार से बढ़ाकर दस कर रहा है और मुंबई व चेन्नई में दो नए मल्टीज़ोन रीजन स्थापित करेगा।

आईबीएम के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट रोब थॉमस के अनुसार, यह सहयोग भारतीय उद्यमों को हाइब्रिड क्लाउड और एआई के युग में तेज़ डिजिटल परिवर्तन की दिशा में अग्रसर करेगा। आईबीएम का वॉटसनएक्स और रेड हैट ओपनशिफ्ट एआई आधारित सॉफ्टवेयर स्टैक एंटरप्राइज़ वर्कलोड्स की उत्पादकता और ऑटोमेशन को बढ़ाएगा। यह साझेदारी भारतीय उद्योगों को एआई, क्लाउड और क्वांटम कंप्यूटिंग के भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

सैमसंग का पंजाब में आपदा राहत एवं देखभाल अभियान

नई दिल्ली.

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने हाल ही में पंजाब में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए अपना विशेष आपदा राहत और देखभाल कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल के तहत प्रभावित क्षेत्रों में केयर कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां जरूरतमंद परिवारों को घरेलू सामान, बुनियादी उपकरण और आपातकालीन किट प्रदान की जा रही हैं। गुरदासपुर जैसे क्षेत्रों में, जहाँ बाढ़ ने सबसे अधिक असर डाला है, सैमसंग ने अपने कॉन्टैक्ट और सर्विस सेंटर के माध्यम से सहायता अनुरोध स्वीकारना

शुरू कर दिया है। अधिकांश शिकायतें पानी में क्षतिग्रस्त स्मार्टफोन्स, वॉशिंग मशीनों और रेफ्रिजरेटर्स से संबंधित हैं। लोगों तक जानकारी पहुँचाने के लिए सैमसंग ने सोशल मीडिया, स्थानीय घोषणाओं, पोस्टर्स और बैनर्स के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है। साथ ही, भविष्य की आपदाओं के लिए तैयार रहने हेतु कंपनी ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में बड़े राहत टेंट और आवश्यक किट पहले से ही तैनात कर दिए हैं। इन मोबाइल केयर सेंटर्स में लोगों को कपड़े धोने, भोजन गर्म करने, खाने और दवाइया सुरक्षित रखने की सुविधाए मिलेंगी। साथ ही पेयजल, टैंक, पंप और जनरेटर की व्यवस्था भी की गई है। प्रत्येक कैंप में सुरक्षा किट, साबुन, डिटर्जेंट और कपड़े सुखाने की सुविधाए उपलब्ध हैं। सैमसंग के अनुसार, आपदाओं के बाद सर्विस कॉल्स में लगभग 30% वृद्धि देखी गई है। कंपनी की फील्ड सर्विस टीमें तुरंत राहत कार्य में जुट जाती हैं। सैमसंग का यह कदम उसके 'इनोवेशन फॉर ह्यूम'

सैमसंग ने फिर मारी बाज़ी, लगातार छठे साल टॉप 5 में

नई दिल्ली.

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स को ग्लोबल ब्रांड कंसल्टेंसी इंटरब्रांड की बेस्ट ग्लोबल ब्रांड्स 2025 सूची में लगातार छठे वर्ष 5वां स्थान मिला है। सैमसंग का ब्रांड मूल्य इस वर्ष 90.5 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया है। यह 2020 से अब तक एशिया की एकमात्र कंपनी है जो ग्लोबल टॉप फाइव में बनी हुई है।

इंटरब्रांड के अनुसार, सैमसंग की सफलता के पीछे प्रमुख कारण हैं — एआई प्रतिस्पर्धात्मकता में मजबूती, ग्राहक अनुभव में सुधार, सेमीकंडक्टर निवेश में वृद्धि, और ग्राहक-केंद्रित ब्रांड रणनीति।

सैमसंग के प्रेसिडेंट और ग्लोबल मार्केटिंग हेड वॉन-जिन ली ने कहा कि कंपनी "इनोवेशन फॉर ऑल" विज़न के तहत एआई इनोवेशन और सहयोग के माध्यम से अधिक से अधिक ग्राहकों तक एआई पहुंचाने का प्रयास कर रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि एक वर्ष के भीतर 400 मिलियन डिवाइसों पर गैलेक्सी एआई उपलब्ध कराई जाए। मोबाइल सेगमेंट में सैमसंग ने गैलेक्सी एआई, जेड फोल्ड 7 और जेड फ्लिप 7 के लॉन्च से अपनी लीडरशिप को और मजबूत किया है। वहीं वियरेबल्स और हेल्थ सेवाओं में भी कंपनी ने ओपन कोलैबोरेशन के जरिए नवाचार बढ़ाया है। नेटवर्क्स डिवीजन में सैमसंग ने एआई-पावर्ड वर्चुअलाइज्ड आरएएन और ओपन आरएएन में नेतृत्व दिखाया है, साथ ही 5जी और 6जी तकनीकों में निरंतर प्रगति की है। विजुअल डिस्प्ले क्षेत्र में कंपनी ने विजन एआई, द फ्रेम और आर्ट स्टोर सर्विसेज के जरिए टीवी और मॉनिटर्स में पर्सनलाइज्ड अनुभव प्रदान किए हैं।डिजिटल एप्लायंसेज में सैमसंग ने स्मार्टथिंग्स इंटीग्रेशन और बेस्पोक एआई तकनीक के माध्यम से ऊर्जा दक्षता और उपयोगकर्ता सुविधा को बढ़ाया है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कंपनी ने एचबीएम, डीडीआर 5, लपड्र5एक्स और जीडीडीआर 7 जैसे उन्नत उत्पादों के माध्यम से क्लाउड और ऑन-डिवाइस एआई की बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में निवेश बढ़ाया है। इंटरब्रांड का मूल्यांकन कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन, ब्रांड प्रभाव और ग्राहक विश्वास पर आधारित होता है। सैमसंग की यह उपलब्धि उसके निरंतर नवाचार, एआई-आधारित रणनीतियों और वैश्विक स्तर पर ग्राहकों के साथ मजबूत जुड़ाव का प्रमाण है।

आज का राशिफल

मेष – आज मेष राशि वालों को मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। धन लाभ होने की संभावना है, लेकिन आपको अपने गुस्से पर काबू रखना होगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे और भविष्य के बारे में बातचीत कर सकते हैं।

वृषभ – आज आपको अपने खानपान पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि सेहत बिगड़ सकती है। यात्रा के संकेत हैं, लेकिन फलीभूत नहीं होगी। आज का दिन आपको थकाने वाला और तनावपूर्ण साबित हो सकता है,

मिथुन – आज आपके जीवन में खुशियों का आगमन होगा। कार्यक्षेत्र या व्यापार में कोई भी लापरवाही आज आपको आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है। बच्चों की सेहत पर नजर रखें।

कर्क – आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन के मामलों में सावधानी बरतें, वरना नुकसान हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। आज प्यार में अनबन का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह – आज आपको ध्यान और योग का फायदा मिलेगा, मानसिक तनाव दूर होगा। अगर आप छात्र हैं और विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं, तो घर की आर्थिक तंगी आज आपको परेशान कर सकती है।

कन्या – आज आपके घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है। भाग्य का साथ मिलेगा, जिससे धन का आगमन होगा। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

तुला – ऑफिस में आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ज्यादा काम लेने से बचें। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वृश्चिक – आज आपकी यात्रा लाभकारी रहेगी। आज निवेश के अच्छे अवसरों की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में चीजें आपके लिए काफी बेहतर हो सकती हैं।

धनु – आज आपको धन लाभ हो सकता है। आपको अपनी लीडरशिप स्किल दिखाने का मौका मिलेगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको सकारात्मक परिणाम दिलाएगी।

मकर – आज आपको भाई-बहन से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। महत्वपूर्ण टास्क या कार्यों को पूरा करने के लिए दिन अनुकूल रहने वाला है। साहसिक कदम और फैसले अनुकूल परिणाम लाएंगे। परिवार के साथ यात्रा के योग हैं।

कुंभ – आज आपको किसी पारिवारिक मामले को हल करना पड़ सकता है। पुराने निवेशों से इनकम में वृद्धि होने की संभावना है। दोस्त और जीवनसाथी आपके लिए खुशियां लाएंगे।

मीन – आज आपको अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। किसी भी जरूरी कागजात या धन से जुड़े मामले पर साइन करते समय सावधानी बरतें, वरना नुकसान हो सकता है।

नेस्ले में छंटनी का खतरा

> 16,000 नौकरियों पर संकट

नई दिल्ली.

एफएमसीजी सेक्टर की बड़ी कंपनी नेस्ले ने 16 हजार लोगों को नौकरी से निकालने का प्लान बनाया है. ये फैसला कुछ हफ्ते पहले नए सीईओ फिलिप नवरातिल ने लिया, जो अभी-अभी कंपनी का चार्ज संभाला है.

वो कंपनी को तेजी से बदलने और रिवाइव करने का वादा कर चुके हैं. ये जॉब कट नेस्ले के कुल वर्कफोर्स का करीब 6 प्रतिशत होगी. सीईओ नवरातिल ने गुरुवार को बयान दिया कि दुनिया बदल रही है, नेस्ले को और फास्ट बदलना पड़ेगा. इसके लिए टफ लेकिन जरूरी डिसीजन लेंगे, जैसे कर्मचारियों की संख्या कम करना.

कंपनी का कहना है कि इन कटौतियों से 1 बिलियन स्विस फ्रैंक की सेविंग होगी, जो पहले प्लान्ड अमाउंट से डबल है. नवरातिल को

शॉक लगा जब कंपनी ने 9 महीने के फिगर्स रिलीज किए.

सेल्स 1.9 फीसदी गिरकर 65.9 बिलियन स्विस फ्रैंक रह गई. लेकिन सेल्स में अनुमान से ज्यादा ग्रोथ नहीं हुई. जूलियस बेयर पर प्री-मार्केट ट्रेडिंग में नेस्ले शेयर्स 3.4% ऊपर हुए. इस साल कंपनी की प्राइस 1.7% बढ़ी, जो स्विस मार्केट इंडेक्स के 8% ग्रोथ से पीछे है.

फिलिप नवरातिल ने 2001 में नेस्ले जॉइन किया, दशकों का एक्सपीरियंस है. चार्ज लेने के बाद, उन्होंने हिंट दिया कि प्रीवियस स्ट्रैटेजी कंटिन्यू करेंगे. एडवरटाइजिंग स्पेंड बढ़ाना, कम लेकिन बड़े प्रोडक्ट इनिशिएटिव्स पर बेट, और अंडरपरफॉर्मिंग यूनिट्स को बेचना उनकी प्राथमिकता में है.

कंपनी का प्रॉफिट पिछले साल की दूसरी तिमाही की तुलना में घटकर 986 करोड़ रुपये से 753 करोड़ रुपये रह गया है. कंपनी की कमाई में बढ़ोतरी हुई है, जो पिछले साल के 5,104 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,644 करोड़ रुपये हो गई है.

नेस्ले में लेऑफ की डिटेल्स

नेस्ले देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनी है. जो नेस्प्रेसो कॉफी कैप्सूल और किटकैट कैंडी बार बनाती है. नेस्ले ने कहा कि ये कटौती 2 साल की पीरियड में होंगी. ग्लोबल लेवल पर होगा, मतलब हर देश में जहां कंपनी का काम है वहां लोगों की नौकरियां जाएंगी. इसमें 12,000 व्हाइट-कॉलर जॉब्स कटेंगी, प्लस प्रोडक्शन और सप्लाई चेन में पहले से 4,000 जॉब्स कट हो रही हैं. कुल मिलाकर कंपनी आने वाले समय में 16,000 लोगों को नौकरी से निकाल देगी.

डिजिटल फ्रॉड पर एचडीएफसी बैंक की चेतावनी

मुंबई. भारत के अग्रणी निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने नागरिकों से डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार होने पर तीन आसान चरणों एलबीडब्ल्यू का पालन करने की अपील की है। यह क्रिकेट से प्रेरित एक सरल फॉर्मूला है, जो लोगों को अपने नुकसान को कम करने और समय पर कार्रवाई करने में मदद करेगा। पहला चरण 'लॉ इन्फोर्समेंट एजेंसी' है। ग्राहक को तुरंत गृह मंत्रालय की 1930 हेल्पलाइन पर कॉल कर शिकायत दर्ज करनी चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल व डब्लूडब्लूडब्लू .संचारसाथि .गोवेमेंट. इन पर संदिग्ध कॉल या संदेश की सूचना देनी चाहिए। इससे धोखाधड़ी के पैसे की वसूली की संभावना बढ़ जाती है। दूसरा चरण 'बैंक' है। ग्राहकों को अपने बैंक को तुरंत सूचित कर कार्ड, यूपीआई या नेट बैंकिंग जैसे भुगतान माध्यमों को ब्लॉक करवाना चाहिए ताकि आगे के नुकसान से बचा जा सके। तीसरा चरण 'वाइप' है। इसमें नागरिकों को अपने मोबाइल, लैपटॉप या टैब को पूरी तरह साफ़ करना, कुकीज़ हटाना और सभी पासवर्ड रीसेट करना चाहिए, जिससे डिवाइस सुरक्षित रहे। एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि धोखेबाज़ लगातार नए तरीक़े अपना रहे हैं, इसलिए ग्राहकों को सजग रहना चाहिए।

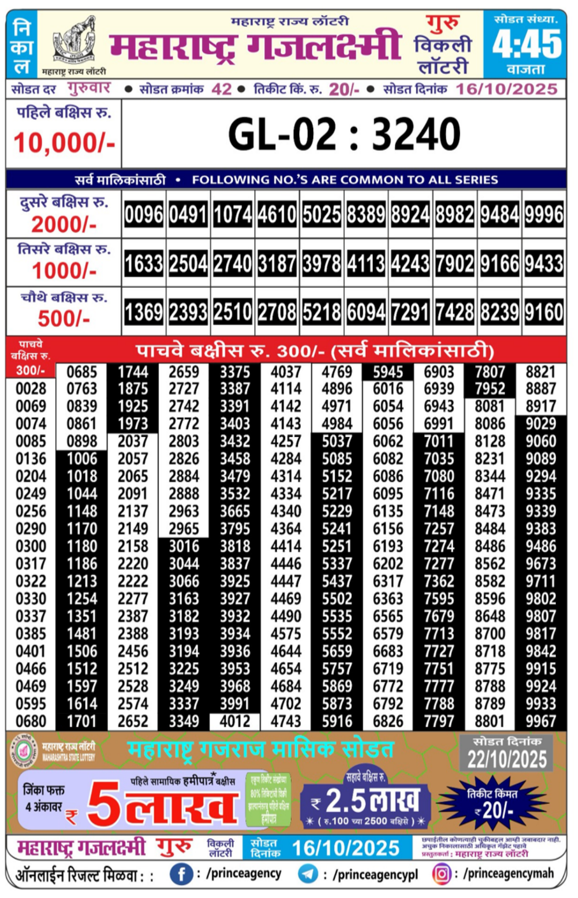

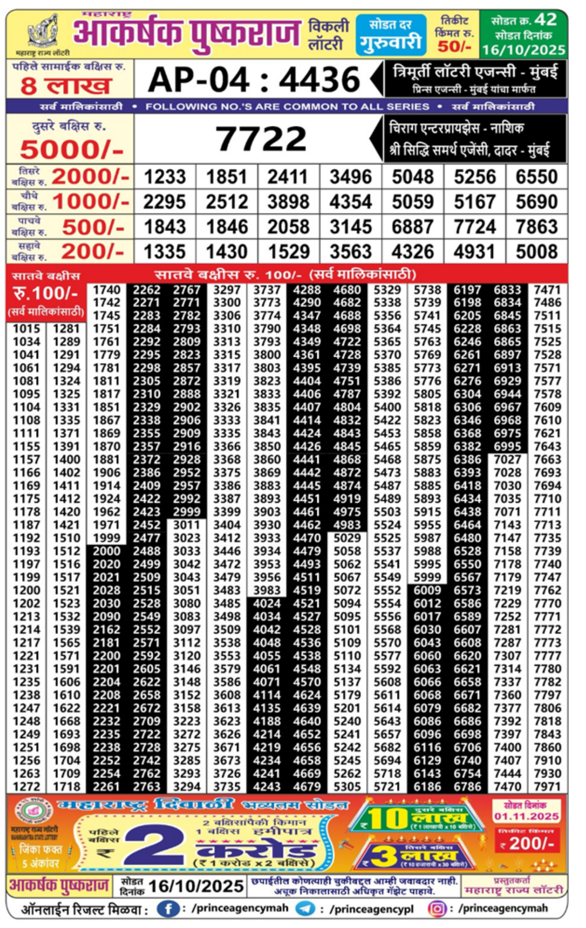

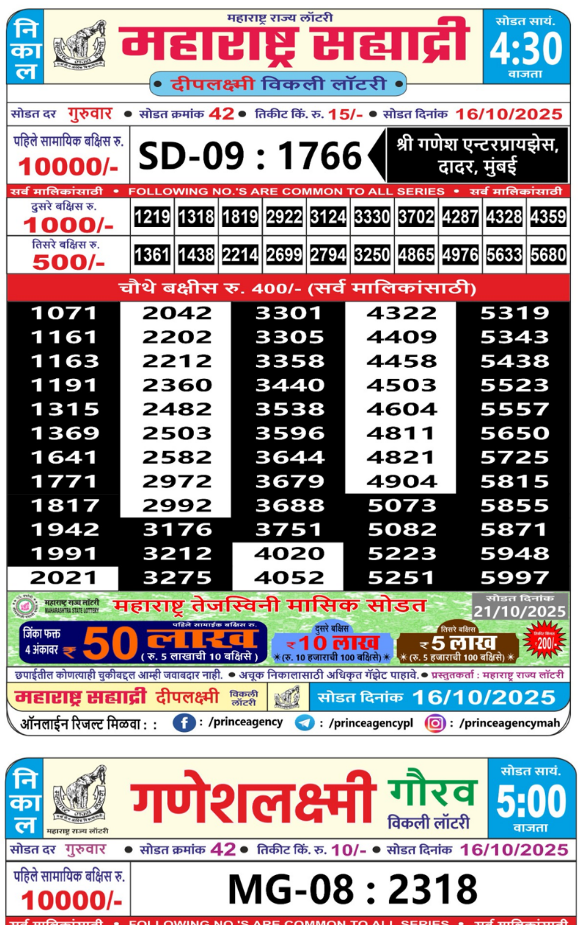

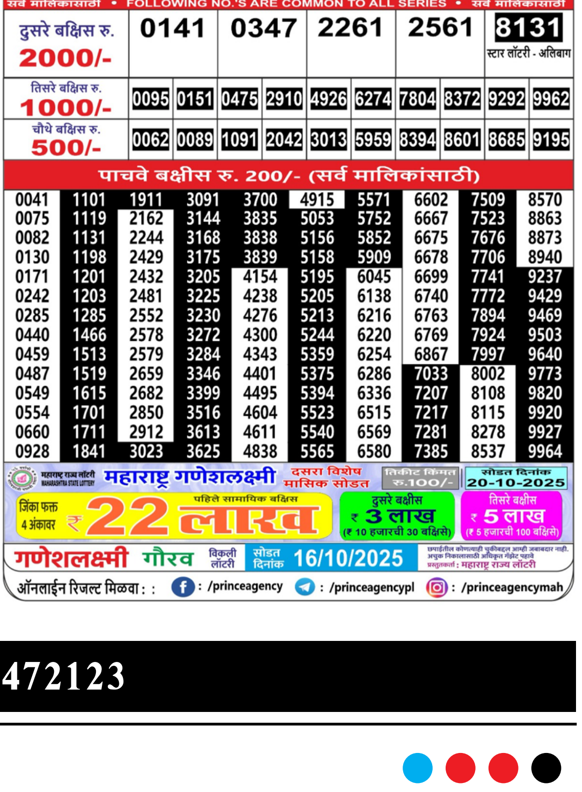

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030

2030 सीडब्ल्यूजी मेजबानी का दावेदार बना ये शहर

नई दिल्ली. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद के नाम की सिफारिश की है। इसको लेकर अंतिम फैसला 26 नवंबर जेनरल बॉडी मीटिंग में लिया जाएगा। न्यूज एजेंसी के मुताबिक भारत को इस बार मेजबानी के लिए नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स ने नाइजीरिया की भविष्य की मेजबानी की संभावनाओं को बढ़ाने और उन्हें समर्थन देने की रणनीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें 2034 के खेलों की संभावित मेजबानी भी शामिल है।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स द्वारा जारी किए गए प्रेस रिलीज में कहा गया था कि कॉमनवेल्थ के कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। गुजरात का अहमदाबाद अब कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की पूरी सदस्यता के समक्ष पेश किया जाएगा और अंतिम निर्णय 26 नवंबर को लिया जाएगा। गौरतलब है कि भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी।

बता दें कि साल 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर में कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत हुई थी। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 बार राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की है। 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की 100वीं एनिवर्सरी भी होगी। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में टीम इंडिया का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।

बर्मिंघम 2022 में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स की मेडल टैली में भारत चौथे नंबर पर रहा था। आपको बता दें कि सीडब्ल्यूडी के अलावा, भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। कुछ समय पहले भारत ने ओलिंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी।

मेजबानी मिलने पर अमित शाह ने दी बधाई

इस मौके पर भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पर लिखा कि भारत के लिए यह बहुत गर्व और खुशी का दिन है। कॉमनवेल्थ एसोसिएशन द्वारा अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी का अधिकार भारत को देने पर देश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई।

टिटमस ने ओलंपिक चैंपियन से लिया संन्यास

ब्रिस्बेन. ओलंपिक चैंपियन एरियार्न टिटमस ने तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा की है, जिससे ऑस्ट्रेलियाई खेल प्रशंसक हैरान हैं।

ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता 25 वर्षीय टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ब्रेक ले लिया था, लेकिन उम्मीद की जा रही थी 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए वह जल्दी ही प्रतिस्पर्धी तैराकी में वापसी करेंगी। टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा:मुझे तैराकी शुरू से पसंद रही है. जब मैं छोटी थी तब से यह मेरा जुनून रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने इस खेल से कुछ समय दूर रहकर यह महसूस किया है कि मेरे जीवन में कुछ चीजें अब मेरे लिए तैराकी से थोड़ी अधिक महत्वपूर्ण हैं और मुझे यह मंजूर है।

पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक में टिटमस ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पीछे छोड़कर नए विश्व रिकॉर्ड के साथ अपना खिताब बरकरार रखा था.टिटमस के नाम पर 200 मीटर फ्रीस्टाइल का विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज है. उनके नाम पर 33 अंतराष्ट्रीय पदक दर्ज है.

आईपीएल 2026 से पहले एलएसजी का मास्टरस्ट्रोक!

नई दिल्ली. न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने लखनऊ सुपर जायंट्स को जॉइन कर लिया है। वो आईपीएल 2026 में लखनऊ टीम के रणनीतिक सलाहकार के तौर पर दिखेंगे.एलएसजी टीम पिछले साल पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रही थी और अब विलियमसन के साथ से लखनऊ टीम पिछली बार से बेहतर करना चाहेगी. बताते चलें कि इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत इसी टीम के कप्तान हैं, जिन्हें एलएसजी ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा था।

एलएसजी टीम के मालिक संजीव गोयनका ने भी X (पहले ट्विटर) के माध्यम से बताया कि केन विलियमसन पहले भी एलएसजी फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं और उन्हें नया रोल मिलने के लिए बधाई. उनकी लीडरशिप, क्रिकेट की समझ और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की क्षमता टीम के लिए फायदेमंद साबित होगी।

केन विलियमसन के अलावा डेनियल क्रो को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। विलियमसन और डेनियल अब एलएजी टीम के हेड कोच जस्टिन लैंगर के साथ मिलकर काम करेंगे।

भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण भी बॉलिंग कोच के तौर पर इस टीम से जुड़े हुए हैं। आपको याद दिला दें कि पिछले सीजन लखनऊ टीम के मेंटॉर रहे जहीर खान एलएसजी का साथ छोड़ चुके हैं।

केन विलियमसन अब भी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं और अपने 371 मैचों के इंटरनेशनल करियर में 19086 रन बना चुके हैं. अपने 79 मैचों के आईपीएल करियर में 2128 रन बनाए हैं, जिनमें 18 अर्धशतक भी शामिल हैं।

नया रोल मिलने पर बोले केन विलियमसन

केन विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में नया रोल मिलने पर बोले, "मैं लखनऊ टीम के साथ जुड़ने पर बहुत उत्साहित महसूस कर रहा हूं. उनका स्क्वाड बहुत प्रतिभाशाली है, और मैं बेहतरीन कोचों के साथ काम करने को भी उत्साहित हूं. आईपीएल के साथ जुड़े रहना खास है, जो क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ फ्रैंचाइजी लीग है.

आप तभी फेल होते हो जब

विराट का रहस्यमयी पोस्ट वायरल

नई दिल्ली. विराट कोहली अभी पर्थ में हैं, जहां भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया पहला वनडे खेला जाएगा। ऐसी अफवाहें हैं कि ये कोहली इस सीरीज के बाद वनडे से भी रिटायरमेंट ले लेंगे. इस बीच कोहली ने खुद सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है. जानकार इसे वर्ल्ड कप 2027 से जोड़कर देख रहे हैं. पर्थ पहुंचकर विराट कोहली ने 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 'द ओनली टाइम यू ट्रूली फेल, इस व्हेन यू डीड टू गिव अप .' इसका हिंदी में मतलब बताएं तो ये हैं, 'आप वास्तव में तभी असफल होते हैं, जब आप हार मानने का निर्णय ले लेते हैं.'इससे पहले विराट कोहली ने एक विज्ञापन का वीडियो शेयर किया था, जिसे रिपोस्ट करते हुए विराट ने ये बातें लिखीं. फैंस मान रहे हैं कि विराट ने 2027 वर्ल्ड कप के लिए ताल ठोक दी है. माना जा रहा है कि इस पोस्ट से कोहली अपने इरादे जाहिर करना चाह रहे हैं कि अभी उनके अंदर काफी क्रिकेट बची हुई है. वह भारत के लिए और मैच खेलना चाहते हैं. बता दें कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल विराट कोहली का आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच था, इसके बाद वह पहली बार 19 अक्टूबर को खेलते हुए नजर आएंगे. विराट ने पिछले साल टी20 से रिटायरमेंट लेने के बाद इस साल टेस्ट को भी अलविदा कह दिया. विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में पाकिस्तान के खिलाफ शतक जड़ा था, उन्होंने सेमीफाइनल में 84 रनों की पारी खेलकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले गौतम गंभीर ने दिल्ली में विराट और रोहित के भविष्य से जुड़े सवाल पर कहा था कि "हमें वर्तमान में रहना होगा, उम्मीद करते हैं कि दोनों का ऑस्ट्रेलिया दौरा सफल रहेगा. इसमें कोई शक नहीं है कि दोनों शानदार खिलाड़ी हैं, देखना होगा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन कैसा रहता है.

लक्ष्य और युगल जोड़ी अंतिम 16 में

ओडेंस (डेनमार्क). भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। स्टार शटलर लक्ष्य सेन और विश्व की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में प्रवेश कर लिया है। पुरुष एकल वर्ग में भारत के लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के न्हात गुयेन को कड़े मुकाबले में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। जेन्के बैंक एरिना में बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में लक्ष्य ने 10-21, 21-8, 21-18 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला एक घंटा 21 मिनट तक चला और दर्शकों को एक रोमांचक खेल अनुभव देखने को मिला।मैच की शुरुआत में लक्ष्य संघर्ष करते नजर आए। आयरलैंड के खिलाड़ी न्हत गुयेन ने पहले गेम में तेज़ शुरुआत की और लक्ष्य को बैकफुट पर रखते हुए पहला गेम 21-10 से जीत लिया। लेकिन इसके बाद लक्ष्य सेन ने दमदार वापसी की। उन्होंने दूसरा गेम 21-8 से अपने नाम किया और निर्णायक गेम में भी शानदार संयम और आक्रामकता का प्रदर्शन करते हुए 21-18 से मुकाबला जीत लिया। वहीं, पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी अपने बेहतरीन फॉर्म को बरकरार रखा। इस जीत के साथ ही भारतीय चुनौती टूर्नामेंट में मजबूती से बनी हुई है।

शतरंज: नई विश्व चैंपियनशिप की घोषणा

नई दिल्ली. नॉर्वे शतरंज के आयोजकों ने एक नई विश्व चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की। इसमें फास्ट क्लासिक, रैपिड और ब्लिट्ज में एक चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा। इस चैंपियनशिप को खेल की विश्व नियामक संस्था एफआईडीई ने मान्यता दी है।

टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर नामक इस नई चैंपियनशिप में हर साल चार स्पर्धाएं होंगी और तीन विषयों—फास्ट क्लासिक, रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज में एक संयुक्त चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा। नॉर्वे शतरंज और नई चैंपियनशिप के सीईओ केजेल मैडलैंड ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा, हमें उम्मीद है कि यह पूरे शतरंज कैलेंडर में सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक बन जाएगा। विभिन्न वैश्विक शहरों में आयोजित चार टूर्नामेंटों वाली इस

समग्र चैंपियनशिप में पूरे टूर में न्यूनतम 2.7 मिलियन डॉलर का वार्षिक पुरस्कार पूल होगा। पहले तीन इवेंट के लिए प्रति इवेंट 750,000 डॉलर और फाइनल के लिए 450,000 डॉलर के साथ ही प्रदर्शन बोनस भी मिलेगा। 2026 में एक पायलट टूर्नामेंट की योजना बनाई गई है, जिसका पहला पूर्ण चैंपियनशिप सीजन 2027 में होगा।यह पहल प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के आयोजकों की ओर से है। अक्टूबर की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ के साथ आधिकारिक विश्व चैंपियनशिप स्थिति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

नेपाल-ओमान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली. टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए नेपाल क्रिकेट टीम और ओमान क्रिकेट टीम ने क्वालिफाई किया है। मस्कट में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप ईस्ट एशिया पेसिफिक क्वालिफायर के सुपर-6 स्टेज में बेहतर प्रदर्शन के बाद इन दोनों टीमों ने क्वालिफाई किया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अब तक 19 टीमों ने क्वालिफाई किया है और अब सिर्फ 1 टीम की जगह बाकी है। तीसरी बार क्वालिफाई किया इससे पहले 2024 में हुए वर्ल्ड कप में नेपाल और ओमान दोनों ने पहले दौर में जगह बनाई थी। 2016 और 2024 के बाद

ओमान तीसरी बार इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ नेपाल की टीम ने भी 2014 और 2024 के बाद तीसरी बार टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। 20 टीमों के बीच होगा टी-20 वर्ल्ड कप

टी-20 वर्ल्ड कप 20 टीमों के बीच खेला जाएगा। मेजबानी के कारण भारत और श्रीलंका को डायरेक्ट एंट्री मिली। अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज ने पिछले वर्ल्ड कप में सुपर-8 तक का सफर तय करने के कारण क्वालिफाई कर लिया। वहीं आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीमों ने रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट में जगह बनाई।

अमेरिका क्वालिफायर से कनाडा ने जगह बना ली। वहीं यूरोप क्वालिफायर से इटली और नीदरलैंड को एंट्री मिल गई। पिछली बार हिस्सा रही स्कॉटलैंड की टीम क्वालिफाई नहीं कर सकी। अब अफ्रीका क्वालिफायर से नामीबिया और जिम्बाब्वे ने क्वालिफाई कर लिया। नेपाल और ओमान को एशिया और ईस्ट एशिया पेसिफिक क्वालिफायर से एंट्री मिली। अब सिर्फ 1 टीम की जगह बाकी है।

भारत डिफेंडिंग चैंपियन आईसीसी का टी-20 वर्ल्ड कप 2007 से खेला जा रहा है। टीम इंडिया ने तब पाकिस्तान को फाइनल हराकर पहला खिताब जीता था। 2010 से टूर्नामेंट हर 2 साल में आयोजित किया जा रहा है। 2024 में भारत ने साउथ अफ्रीका को फाइनल हराकर टाइटल अपने नाम किया था।

ईशान किशन ने समझाई रणजी ट्रॉफी की कीमत

कोयंबटूर. टीम इंडिया के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन इस समय 2025-26 रणजी ट्रॉफी में झारखंड की कप्तानी कर रहे हैं। तमिलनाडु के खिलाफ कोयंबटूर में खेले जा रहे मुकाबले में उन्होंने शानदार शतक जमाकर अपनी टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकाला। ईशान ने शानदार धैर्य और जिम्मेदारी दिखाते हुए 183 गेंदों में नाबाद 125 रन की पारी खेली, जो उनके फर्स्ट-क्लास करियर का नौवां शतक है।

पहले दिन झारखंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। लंच के बाद टीम का स्कोर 79/3 था, जब कप्तान ईशान किशन नंबर-5 पर बल्लेबाजी के लिए आए। उन्होंने स्थिति को भांपते हुए दो सेशन तक धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की। उनकी इस संयमित पारी की झलक इस बात से मिलती है कि उन्होंने पूरे दिन में सिर्फ दो छक्के लगाए। ईशान ने साहिल राज के साथ सातवें विकेट के लिए 150 रनों की नाबाद साझेदारी की, जिससे झारखंड का स्कोर दिन के अंत में 307/6 तक पहुंच गया। दिन के खेल के बाद ईशान ने द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा कि इस लेवल पर उन्हें बहुत समझदारी से खेलने की जरूरत है। रणजी ट्रॉफी की अहमियत समझानी पड़ती है, खासकर जब आप बड़ी टीमों के खिलाफ खेलते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आप अपने करियर की शुरुआत में बहुत सारी गलतियां करते हैं और बाद में आपको अनुभव का असली मतलब समझ आता है। आपको क्रीज पर बने रहना होगा और तभी आप खेल बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब बाएं हाथ का स्पिनर गेंदबाजी कर रहा था, तब वह हवा का रुख भांप रहे थे। वह उसके खिलाफ जोरदार बल्लेबाजी करना चाहते थे। लेकिन स्कोरबोर्ड 6 विकेट देखने के बाद उन्हें ऐसा करना सही नहीं लग रहा था।

हाल ही में ईशान किशन ने इंग्लैंड में नॉटिंघमशायर की ओर से काउंटी क्रिकेट खेला था, जहां उन्होंने 77 और 87 रन की पारियां खेलीं। इसके बाद वे इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट के लिए ऋषभ पंत की चोट के बाद भारतीय टीम में वापसी की दौड़ में थे।

लाहौर टेस्ट में बड़ी चूक

लाहौर. लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में एक ऐसी घटना हुई जिसने सबको चौंका दिया. मैच तो पाकिस्तान ने जीत लिया, लेकिन आखिरी दिन जो हुआ उसने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी. दरअसल, एक क्रिकेट फैन सुरक्षा घेरे को तोड़कर सीधे पाकिस्तान टीम के ड्रेसिंग रूम तक पहुंच गया, जिसके चलते हर तरफ अफरातफरी मच गई. उसका मकसद था, अपने फेवरेट क्रिकेटर और टीम के कप्तान बाबर आजम से मिलना.

घटना बाबर आजम के 31वें जन्मदिन के दिन की बताई जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक युवा प्रशंसक माजिद खान ने एनक्लोजर से छलांग लगाई और सपोर्ट् के सहारे ड्रेसिंग रूम की ओर दौड़ गया. हालांकि बाबर आजम उस वक्त ड्रेसिंग रूम नही थे, वरना स्थिति और गंभीर हो सकती थी. जब कोचिंग स्टाफ ने फैन को देखा, तो उन्होंने तुरंत सुरक्षा टीम को बुलाया. कुछ ही मिनटों में उस शख्स को हिरासत में ले लिया गया.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस घटना पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है. यही बात अब चर्चा का विषय बनी हुई है. क्रिकेट विश्लेषक और फैंस सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं कि इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद कोई व्यक्ति ड्रेसिंग रूम तक कैसे पहुंच गया? पाकिस्तान में पहले भी कई बार दर्शक मैदान में घुसे हैं, लेकिन किसी का ड्रेसिंग रूम तक पहुंचना बेहद दुर्लभ मामला है.

विदेशी लीग में खेलने के पक्ष में रवि शास्त्री

नई दिल्ली. भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अधिक से अधिक भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति देने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से उन्हें अच्छा अनुभव मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी अपनी सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी टी20 लीग में खेलने की अनुमति नहीं देता। भारतीय क्रिकेटर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने और बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के बाद ही विदेश में खेल सकते हैं।

अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन हाल ही में बिग बैश लीग (बीबीएल) में शामिल होने वाले पहले शीर्ष भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने आगामी सत्र के लिए सिडनी थंडर के साथ अनुबंध किया है। शास्त्री ने विलो टॉक पॉडकास्ट पर कहा,भारत एक विशाल देश है। वहां हर किसी को खेलने का मौका नहीं मिलता, हर कोई सफल नहीं हो पाता। अगर कोई खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सकता, लेवल सी या लेवल डी का अनुबंध नहीं पा सकता, तो उसे बिग बैश लीग में खेलने से क्यों रोका जाए।' उन्होंने कहा, ''इन लीग में खेलने का अनुभव उनके लिए मददगार साबित होगा, जैसे आईपीएल ने कई युवा खिलाड़ियों की मदद की है, क्योंकि वे शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं।शास्त्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के चोटी के खिलाड़ियों के साथ खेलने और कोचिंग स्टाफ में शामिल पूर्व क्रिकेटरों से भारत के युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा, ''वे दबाव को झेलना सीखते हैं।

घुमाया खूब, पर खिलाया कुछ नहीं

> रेखा गुप्ता का तंज

पटना.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राज्य में बड़े बहुमत से सत्ता में वापसी करेगा.

गुप्ता बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने के कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचीं. एक जनसभा में दिल्ली की सीएम ने मजाकिया अंदाज में कहा- हम तो सोच कर आए थे कि जाएंगे आज लिट्टी चोखा खाने को मिलेगा. ये तो शुक्र है कि मखाने खिला दिए तो थोड़ा पेट भर गया नहीं तो सुबह से केवल घुमा रहे खिला कुछ नहीं रहे. अभी सुनील जी कह रहे थे कि नहीं इसके बाद लिट्टी चोखा खिलाएंगे.

इससे पहले उन्होंने कहा कि बिहार के लोग देख रहे हैं कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में राज्य में विकास की रफ्तार तेज हुई है और जनता इस बार भी सत्तारूढ़ गठबंधन को ही वोट देगी. उन्होंने कहा, 'मैं देख रही हूं कि बिहार में विकास की बहार आई हुई है और समृद्धि हर ओर झलक रही है. निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए एक बार फिर भारी बहुमत से सरकार बनाएगा.

मैं बिहार की इस पवित्र धरती को नमन करती हूं.' बिहार में चुनावी जनसभा के दौरान बोली दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता- 'सुबह से केवल घुमा रहे हैं, खिला कुछ नहीं रहे'

पटना साहिब सीट से रत्नेश कुशवाहा उम्मीदवार

एनडीए की प्रमुख घटक बीजेपी ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव के लिए अपने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी. पार्टी ने सात बार विधायक रहे विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काट दिया, जबकि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक दशक से अधिक समय बाद सीधे चुनावी मैदान में उतारा है. स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडे को भी पार्टी ने विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार बनाया है.

पायलट सुमित के पिता ने न्यायिक जांच की मांग की

नई दिल्ली.

पायलट सुमित सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकारी जांच रिपोर्ट झूठी है और उनके बेटे को गलत तरीके से हादसे का जिम्मेदार बताया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि हादसे की न्यायिक निगरानी में नई जांच कराई जाए। 12 जून 2025 को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर क्रैश हो गया।इस हादसे में 229 यात्री, 12 क्रू मेंबर और 19 लोग ज़मीन पर अपनी जान गंवा बैठे। पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि सरकारी जांच पक्षपाती और अधूरी है। रिपोर्ट में कहा गया कि हादसा पायलट की गलती से हुआ,लेकिन असल में विमान में तकनीकी खराबी थी। हादसे के वक्त विमान का राम एयर टरबाइन (आरयेटी) अपने आप खुल गया था,जो तभी होता है जब विमान की बिजली या कंट्रोल सिस्टम फेल हो जाए। याचिकाकर्ता का कहना है कि अगर सिस्टम में गड़बड़ी थी। तो पायलट को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? हम चाहते हैं कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष हो। पायलट की मौत के बाद उसकी छवि खराब करना बहुत गलत है। पायलट संगठन फेडरेशन ऑफ़ इंडियन पायलट्स (एफआईटी) ने भी याचिका में साथ दिया है। एफआईटी का कहना है कि जांच रिपोर्ट में कई तकनीकी पहलुओं को नजरअंदाज किया गया है। जैसे बोइंग 787 के सॉफ्टवेयर सिस्टम (सीसीएस) और इलेक्ट्रिकल फॉल्ट की जांच ही नहीं हुई।

खालिदा जिया की मोहम्मद यूनुस को नसीहत

> सेना से टकराव न बढ़ाएं

ढाका.

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को सेना के साथ किसी भी तरह के तनाव से दूर रहने की चेतावनी दी है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी ने सैन्य अधिकारियों के खिलाफ नागरिक ट्रिब्यूनल में चल रही कानूनी कार्रवाइयों पर यह टिप्पणी की है। ये मुकदमे अंतरिम सरकार और सेना के बीच बढ़ते मतभेदों का कारण बन रहे हैं। पार्टी का मानना है कि यूनुस सरकार को सशस्त्र बलों के साथ मजबूत और सकारात्मक संबंध बनाए रखना बहुत जरूरी है।

यह चेतावनी ढाका में यूनुस द्वारा राजनीतिक दलों के साथ बुलाई गई एक आपात बैठक के दौरान दी गई।

बैठक का मकसद सैन्य कर्मियों पर मुकदमा चलाने के सरकारी फैसले को लेकर हो रहे दबाव और विवादों का समाधान करना था। बीएनपी ने कहा कि देश को संतुलित अवस्था में रहना चाहिए। हम कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, क्योंकि हम इसका बोझ नहीं उठा पाएंगे। साथ ही पार्टी ने अगले साल फरवरी में प्रस्तावित आम चुनावों से पहले एकता और स्थिरता कायम रखने की आवश्यकता पर बल दिया। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 16 सक्रिय सैन्य अधिकारियों और 14 अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी किए। इन पर पूर्व शासनकाल में 'राजनीतिक विरोधियों को जबरन गुमशुदा करने, अपहरण करने और यातना देने' के आरोप लगाए गए हैं। वारंट जारी होने के बाद सेना ने सूचना दी कि 16 में से 15 अधिकारी 'सैन्य हिरासत' में हैं, जबकि एक मेजर जनरल फरार हो गया है।

सेना का कहना है कि उसे वारंट की आधिकारिक प्रतियां नहीं मिली हैं, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या इन अधिकारियों पर नागरिक अदालत में मुकदमा चलेगा या सैन्य कोर्ट मार्शल के तहत।

इसके बाद सरकार ने ढाका छावनी के भीतर एक इमारत को अस्थायी जेल के रूप में घोषित कर दिया, जिससे जनता में असंतोष और तेज हो गया।

राकेश किशोर पर अवमानना की कार्रवाई को मंजूरी

> सीजेआई पर जूता फेंकने का मामला

नई दिल्ली.

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने की कोशिश करने वाले राकेश किशोर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने गुरुवार को जूताकांड में राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई चलाने की अपनी मंजूरी दे दी है। भगवान विष्णु पर सीजेआई गवई की टिप्पणी से नाराज राकेश किशोर ने छह अक्टूबर को उन पर भरी कोर्ट में जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, बाद में सीजेआई ने उन्हें माफ करते हुए कोई भी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था।

अटॉर्नी जनरल द्वारा अवमानना की मंजूरी दिये जाने की बात की जानकारी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तब दी, जब सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने इस मामले को उठाया। कोर्ट की अवमानना के नियम सेक्शन 15 के अनुसार, किसी भी व्यक्ति के खिलाफ इसकी कार्रवाई शुरू किए जाने से पहले अटॉर्नी जनरल की मंजूरी की जरूरत होती है। सीजेआई गवई पर जूता फेंकने के मामले में अटॉर्नी जनरल की ओर से यह मंजूरी दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग की थी और एजी वेंकटरमणी को पत्र लिखा था। विकास सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को कल लिस्ट करने की मांग की। उन्होंने लिखा, 'जूता फेंकने के मामले को ऐसे ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। राकेश किशोर को जूता फेंकने पर कोई पछतावा नहीं है। मैंने अटॉर्नी जनरल से मंजूरी मांगी थी और इसे कल लिस्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया इस मामले में पागल हो गया है।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इस मामले को गंभीर बताया है।

उन्होंने कहा, 'राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने के लिए एजी द्वारा मंजूरी दी जा चुकी है। संस्था की ईमानदारी दांव पर है। कुछ कार्रवाई की जरूरत है।'' हालांकि, इतना सब सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि इस घटना को जाने देना ही सबसे बेहतर होगा।

मेहता और सिंह ने अदालत से सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री पोस्ट करने पर रोक से संबंधी आदेश पारित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि हर तरह की अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं।

पाकिस्तान में अफगान बस्ती पर कार्रवाई

>पुलिस पर उठे सवाल

कराची.

पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची के बाहरी इलाके में स्थित रिफ्यूजी कैंप अफगान बस्ती में बुधवार को पाकिस्तानी अधिकारियों ने तोड़फोड़ और सफाई अभियान चलाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुलडोजर के जरिए इस तोड़फोड़ और सफाई अभियान के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई।

इस घटना में कुछ लोगों के मामूली रूप से जख्मी होने की खबर है। पुलिस के सीनियर सुपरिंटेंडेंट (वेस्ट) तारिक मस्तोई ने बताया कि यह अभियान इसलिए शुरू किया गया क्योंकि इस बस्ती में रहने वाले करीब 8000 अफगान अपने वतन लौट चुके हैं। उनके पीछे छोड़े गए कंक्रीट के मकान और दुकानें अब लैंड माफिया के कब्जे में आने का खतरा था।

मस्तोई ने कहा, 'सुबह जब हमने अभियान शुरू किया तो कुछ शरारती तत्वों ने अफवाह फैलाई कि वैध दस्तावेजों वाले अफगानों को भी निशाना बनाया जाएगा। हमने लोगों को समझाया कि ऐसा नहीं है, जिसके बाद हालात काबू में आ गए।' उन्होंने बताया कि यह अफगान बस्ती 40 साल पहले 200 एकड़ सरकारी जमीन पर बसी थी।

यहां करीब 15000 अफगानों ने 3000 से 3500 कंक्रीट के ढांचे बनाए थे। अब इनमें से आधे लोग अपने देश लौट चुके हैं। मस्तोई ने कहा, 'हम सिर्फ सरकारी जमीन को वापस लेने के लिए इन ढांचों को तोड़ रहे हैं। यह अभियान 2-3 दिन में पूरा हो जाएगा। इसके बाद सरकार यह फैसला करेगी कि इस जमीन का क्या करना है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान ने दशकों तक इन अफगानों का सम्मान किया और उन्हें काम करने की आजादी दी।

मस्तोई ने कहा, 'पाकिस्तान ने हमेशा मेहमाननवाजी दिखाई है, लेकिन अब गैरकानूनी रूप से रह रहे अफगानों को वापस भेजने का फैसला लिया गया है, इसलिए सरकारी जमीन को खाली कराना जरूरी है।' बता दें कि यह अभियान ऐसे समय में हो रहा है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य तनाव चल रहा है।

तेज रफ्तार थार ने ली दो बहनों की जान

चंडीगढ़.

चंडीगढ़ में एक भीषण कार हादसा हुआ है। यहां एक थार कार ने 2 सगी बहनों को कुचल दिया है। इस घटना में एक बहन की मौत हो गई है और दूसरी गंभीर रूप से घायल है। एक्सीडेंट के बाद कार चालकर फरार हो गया है। कार का नंबर चंडीगढ़ का है।

चंडीगढ़ के सेक्टर-46 में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। एक तेज रफ्तार काली थार ने सड़क किनारे खड़ी दो सगी बहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बड़ी बहन सोजेफ की मौत हो गई, जबकि छोटी बहन ईशा गंभीर रूप से घायल है। दोनों बहनें चंडीगढ़ के बुड़ैल इलाके की रहने वाली थीं और कॉलेज से लौटकर सड़क किनारे ऑटो का इंतजार कर रही थीं। तभी अचानक तेज रफ्तार थार आई और उन्हें टक्कर मार दी और कार चालक फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने सोजेफ को मृत घोषित कर दिया। ईशा का इलाज सेक्टर-32 अस्पताल में चल रहा है।

इससे पहले चंडीगढ़ इसलिए चर्चा में रहा था क्योंकि हरियाणा के सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने चंडीगढ़ स्थित अपने निजी आवास पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने आत्महत्या के पीछे कई बड़े अधिकारियों को दोषी ठहराया था। लंबे समय से ये केस चर्चा में बना हुआ है और अब इस मामले को लेकर सियासत भी शुरू हो चुकी है।

मृत अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी आईएएस ऑफिसर हैं। वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अन्य अधिकारियों के साथ 5 अक्टूबर को जापान दौरे पर गई थीं।

ब्राजील को मिलेगा भारत का 'आकाश' मिसाइल सिस्टम!

नई दिल्ली.

भारत और ब्राजील के बीच एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम आकाश को लेकर बातचीत हुई है। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि ब्राजील आने वाले दिनों में भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो के साथ मुलाकात की। इस मुलाकात के बारे में उन्होंने खुद जानकारी दी। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि ब्राजील आने वाले दिनों में भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है।

राजनाथ सिंह ने मीटिंग के बाद एक्स पोस्ट में लिखा, आज नई दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो से मिलकर मुझे खुशी हुई। हमने सैन्य से सैन्य सहयोग और रक्षा औद्योगिक सहयोग के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर दूरदर्शी चर्चा की।

भारत और ब्राजील के नेताओं के हुई बैठक के प्रमुख बिंदुओं में रक्षा उपकरणों के सह-विकास की संभावना शामिल थी। चर्चा का उद्देश्य साझा सुरक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विनिर्माण और नवाचार में प्रत्येक देश की क्षमताओं का लाभ उठाना था। इसी दौरान भारत ने ब्राजील के सामने स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश की आपूर्ति का प्रस्ताव रखा।

आकाश एयर डिफेंस सिस्टम भारत का एक स्वदेशी मध्यम दूरी का सतह-से-हवा मिसाइल सिस्टम है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। इसका नाम संस्कृत शब्द 'आकाश' से लिया गया है।

यह सिस्टम मुख्य रूप से हवाई खतरों जैसे दुश्मन विमानों, मिसाइलों, ड्रोन्स और यूएवी से सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना दोनों में तैनात है, और इसका उत्पादन भारत डायनामिक्स लिमिटेड तथा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा किया जाता है।

8 राज्यों में गरज और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली.

देश के कई राज्यों में जहां सर्दियों का आगमन हो चुका है वहीं, दक्षिण भारत में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश का अनुमान लगाया है। इन क्षेत्रों में 18 अक्टूबर तक हल्की से मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहेगी। मौसम विभाग ने बताया कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक, केरल, दक्षिण ओडिशा में गुरुवार को हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। उत्तर भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसकी वजह से रातें ठंडी हो रही हैं। दिल्ली, यूपी, बिहार, राजस्थान और हरियाणा समेत देश के कई राज्यों में सुबह-शाम ठंड का असर अब साफ तौर पर दिखने लगा है। लोग कूलर और एसी चलाना लगभग बंद कर चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम हल्की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को आसमान साफ रहने और न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमश: 17 और 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली में बुधवार को अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में औसत से 1.3 डिग्री कम है।

तालिबान ने बीच चौराहे पर टांगी पाक सैनिकों की पैंट

काबुल.

अफगानिस्तान के साथ जारी संघर्ष में पाकिस्तान की सेना की एक बार फिर से 1971 वाली बेइज्जती हो गई है। इस संघर्ष में पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा करने वाले तालिबान लड़ाके न केवल वहां से हथियार लूट लाए, बल्कि उन्होंने भागने वाले पाकिस्तानी सैनिकों के पैंट्स तक को नहीं छोड़ा। लड़ाके उन सैनिकों के पैंट्स को भी ले आए और बाद उन्होंने इन पैंट्स और हथियारों को बीच चौराहे पर किसी ट्राफी की तरह टांग दिया। इस प्रदर्शनी को देखने के लिए आसपास कई अफगानी लोग भी मौजूद रहे।

सोशल मीडिया साइट पर एक स्थानीय पत्रकार द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों में तालिबान लड़ाके बीच चौराहे पर पाक सैनिकों की पेंट और उनके हथियार लहराते हुए नजर आ रहे हैं। पत्रकार के मुताबिक तालिबान लड़ाकों का यह वीडियो पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत का है। एक और वीडियो में लड़ाके 4 पकड़े गए पाकिस्तानी सैनिकों की पैंट पकड़े दिखाई दे रहे हैं। जुबनिश ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी देते हुए बताया, "डूरंड लाइन के पास पाकिस्तानी सेना की छोड़ी गई चौकियों पर तालिबान लड़ाकों ने कब्जा कर लिया था। इसके बाद वहां पर कई पाकिस्तानी सैनिकों की पतलूनों को उन्होंने कब्जे में ले लिया और बाद में उन्हें लाकर नंगरहार प्रांत में ट्राफी की तरह लटकाया।

आपको बता दें अफगानिस्तान तालिबान और पाक सेना के बीच 48 घंटे तक लगातार संघर्ष जारी रहा था। इसके बाद एक युद्धविराम हुआ, जिसकी वजह थोड़ी शांति बनी हुई है। लेकिन इस झड़प में पाकिस्तान की तरफ से कई दर्जन सैनिकों के मारे जाने की आशंका है, जबकि अफगान लड़ाकों और आम नागरिकों की भी बड़ी संख्या में मौत हुई है।

किन्नरों ने सामूहिक रूप से पिया फिनाइल

भोपाल.

इंदौर के थाना पंढरीनाथ क्षेत्र के नंदलालपुरा इलाके में उस समय हड़कंप मच गया जब लगभग 22 किन्नरों ने एक बंद कमरे में फिनाइल पीकर जान देने की कोशिश की। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाकर जारी किया। जैसे ही घटना की सूचना पुलिस को मिली, मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने कमरे का दरवाजा खुलवाया और सभी किन्नरों को तत्काल उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया।

दरअसल, किन्नरों के आपसी विवाद के बाद एक गुट ने सामूहिक रूप से फिनाइल पीने का कदम उठाया। नंदलालपुरा में किन्नर के 2 गुटों में लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा है। यहां सपना गुरु का एक गुट है और दूसरा गुट सीमा व पायल गुरु का है। दोनों के बीच अक्सर विवाद होते हैं। मंगलवार को किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी त्रिपाठी भी इंदौर आई थीं और विवाद को लेकर अफसरों से मुलाकात भी की थी। कई दिनों से चल रहे आ रहे किन्नरों के इस विवाद में पहले भी एसआईटी गठित हो चुकी है लेकिन जांच पूरी नहीं हो पाई।

बुधवार रात किन्नरों का एक गुट अपने डेरो से नीचे उतरा और हंगामा करने लगा। इसके बाद एक साथ फिनाइल पी लिया। फिनाइल पीने के बाद एक गुट से जुड़े किन्नरों ने नंदलालपुरा चौराहे पर चक्काजाम भी किया। इस दौरान मार्ग पर वाहनों की कतार लग गई। किन्नर काफी देर तक हंगामा करते रहे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें समझा कर चक्काजाम खुलवाया।

एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि सभी मरीजों की हालत अब खतरे से बाहर है और उनका उपचार जारी है। समय रहते मेडिकल सहायता मिलने से बड़ी अनहोनी टल गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और संबंधित सभी पक्षों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है।

ट्रंप पर पाकिस्तान से पैसे लेने का आरोप

>देश को किया नाराज़?

नई दिल्ली.

भारत के खिलाफ अपनी टैरिफ नीतियों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार आलोचना झेल रहे हैं। ट्रंप को अमेरिका के अंदर ही भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। हाल के दिनों में करीब 2 दर्जन अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप को चिट्ठी लिखी है और भारत के साथ बिगड़े रिश्तों को सुधारने की सलाह दी है। इस बीच अब अमेरिका के शीर्ष डेमोक्रेटिक नेता रहम इमैनुएल ने भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निशाने पर लिया है।

रहम इमैनुएल ने डोनाल्ड ट्रंप को अहंकारी बताते हुए कहा कि उन्होंने 'अहंकार और पाकिस्तान से मिले थोड़े पैसों के लालच' में भारत के साथ अमेरिका के 40 साल के रणनीतिक संबंधों को खत्म कर दिया है। इमैनुएल ने कहा कि यह ना सिर्फ एक राजनयिक भूल है बल्कि एक ऐसी रणनीतिक गलती भी है जिसका फायदा चीन ने उठाया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने संबंधों को बर्बाद कर दिया है। रहम इमैनुएल ने पाकिस्तान के प्रति ट्रंप के दोस्ताना रवैये पर सवाल उठाए हैं। रहम ने कहा कि उनके बेटे को पाकिस्तान से पैसे मिल रहे है इसीलिए ट्रंप मेहरबान हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के पूर्व सहयोगी और हाल तक ट्रंप प्रशासन के दौरान जापान में राजदूत रहे इमैनुएल ने बीते दिनों एक बयान में कहा था, उन्होंने सबकुछ बर्बाद कर दिया क्योंकि मोदी यह नहीं कहेंगे कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ सीजफायर करवाया है और इसलिए ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं।

'ट्रंप ने 40 साल की मेहनत बर्बाद कर दी'

इमैनुएल ने इस हफ्ते की शुरुआत में एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका के लिए भारत मैन्युफैक्चरिंग और तकनीक और यहां तक कि सैन्य मामलों में भी चीन के खिलाफ एक बड़ा हथियार हो सकता था। उन्होंने कहा, "अमेरिका की पिछली सरकारों ने 40 सालों से रिश्तों को मजबूत बनाया और अमेरिका के राष्ट्रपति ने इसे बर्बाद कर दिया है, पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया।

रहम इमैनुएल के बारे में जानें

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, रहम इमैनुएल इससे पहले पहले शिकागो के मेयर रह चुके हैं और बराक ओबामा के चीफ ऑफ स्टाफ भी रह चुके हैं। रहम इमैनुएल के बयानों ने अमेरिका में सियासी पारा चढ़ा दिया है। फिलहाल, हाल के दिनों में ट्रंप के सुर बदले हुए नजर आ रहे हैं कभी वो भारत को महान देश बताते हैं तो कभी पीएम मोदी को महान नेता और अपना दोस्त।